मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 74
मंगलवार, 23 सितम्बर 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

आत्मनिर्भरता का आधार बनेंगे जीएसटी सुधारः पीएम मोदी

नई दिल्ली, 22 सितम्बर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार से लागू हुए अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों की एक बार फिर सराहना की है और कहा है कि ये सुधार बचत को बढ़ावा देंगे और समाज के हर वर्ग को सीधे तौर पर लाभान्वित करेंगे। देश के नाम एक खुले पत्र में, उन्होंने नवरात्रि के अवसर पर अपनी शुभकामनाएँ भी दीं और कहा कि इस त्योहार से भारत में 'जीएसटी बचत उत्सव' की शुरूआत हो गई है। उन्होंने कहा कि ये सुधार देश के हर राज्य और क्षेत्र के विकास, निवेश को बढ़ावा देंगे और प्रगति को गति देंगे। अपने पत्र में, उन्होंने यह भी कहा कि अब केवल 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत के दो जीएसटी स्लैब होंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि खाना-पीना, दवाइयाँ, साबुन, टूथपेस्ट, बीमा जैसी रोजमर्रा की जरूरी चीजें और कई अन्य चीजें अब या तो कर-मुक्त होंगी या सबसे कम 5% कर स्लैब में आ जाएँगी। जिन वस्तुओं पर पहले 12% कर लगता था, वे लगभग पूरी तरह से 5% कर स्लैब में आ गई हैं। उन्होंने आगे कहा, यह देखकर बहुत खुशी हो रही है कि कई दुकानदार और व्यापारी 'तब और अब' के बोर्ड लगा रहे हैं, जो सुधारों से पहले और बाद के करों को दर्शाते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार के सत्ता में आने के बाद से 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं, जो अब एक आकांक्षी नव-मध्यम वर्ग बन गए हैं। उन्होंने कहा कि आयकर में कटौती और अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों से लोगों को 2.5 लाख करोड़ रुपये की बचत करने में मदद मिलेगी, जिससे अब देशवासियों के लिए अपनी आकांक्षाओं को पूरा करना आसान हो जाएगा। जीएसटी के लिए अपनी सरकार की सराहना करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) ने देश को 'आर्थिक रूप से' एकजुट किया है, जिससे 'एकरूपता' और 'राहत' आई है। उन्होंने कहा कि इन सुधारों ने प्रणाली को सरल बनाया है और दरों को कम किया है, जिससे लोगों को अधिक बचत करने में मदद मिली है। उन्होंने कहा, हमारे छोटे उद्योगों, दुकानदारों, व्यापारियों, उद्यमियों और एमएसएमई को भी व्यापार करने में आसानी और अनुपालन में आसानी होगी। कम कर, कम कीमतें और सरल नियमों का मतलब बेहतर बिक्री, कम अनुपालन बोझ और अवसरों में वृद्धि होगी, खासकर एमएसएमई क्षेत्र में।ः अपने पत्र में, पीएम मोदी ने कहा कि देश का सामूहिक लक्ष्य 2047 तक 'विकसित भारत' के सपने को साकार करना है। उन्होंने कहा कि इसके लिए देश को आत्मनिर्भरता पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है और जीएसटी 2.0 देश को 'आत्मनिर्भर' बनने में मदद करेगा।

भारत को ट्रंप सरकार के आगे नहीं झुकना चाहिएः असदुद्दीन ओवैसी

हैदराबाद, 22 सितम्बर। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के आगे झुकना नहीं चाहिए।

ओवैसी ने ट्रंप प्रशासन द्वारा एच1बी वीजा शुल्क बढ़ाकर 1,00,000 अमेरिकी डॉलर करने के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इसका असर भारतीयों पर पड़ेगा क्योंकि इस तरह के वीजा धारकों में लगभग 71 प्रतिशत भारतीय नागरिक हैं और इनमें से अधिकांश लोग आंध्र प्रदेश और तेलंगाना से हैं।

उन्होंने कहा, मैं राजनीतिक लाभ नहीं उठाना चाहता। लेकिन मोदी सरकार को इस बात पर विचार करना चाहिए कि पाकिस्तान के सैन्य प्रमुख ने ट्रंप के साथ रात्रिभोज किया और हम अपने पड़ोसी देश को अमेरिका के साथ व्यापार समझौता करते हुए भी देख रहे हैं। इस घटनाक्रम का क्या मतलब है?

हैदराबाद से लोकसभा सदस्य ने संवाददाताओं से कहा, अगर हम इन पर नियंत्रण नहीं कर पाए तो हमारे बच्चों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। हमें ट्रंप सरकार के आगे बिल्कुल नहीं झुकना चाहिए।

उन्होंने पूछा कि हाउडी मोदी और ट्रंप समर्थक अन्य कार्यक्रमों की क्या उपलब्धि है? ओवैसी ने कहा कि यह जरूरी है कि भारत को डॉलर-विमुद्रीकरण के बाद रुपये में व्यापार समझौते करने चाहिए।

पूर्व बैंकर को एक महीने तक रखा गया डिजिटल अरेस्ट, 23 करोड़ रु की ठगी

नई दिल्ली, 22 सितम्बर। साइबर जालसाजों ने खुद को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) का अधिकारी बताकर दक्षिण दिल्ली के गुलमोहर पार्क इलाके में एक सेवानिवृत्त बैंकर को करीब एक महीने तक कथित तौर पर डिजिटल अरेस्ट में रखा और उससे 23 करोड़ रुपये की ठगी की। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी।

एक अधिकारी ने बताया कि आरोपी ने कथित तौर पर पीड़ित से कहा कि पुलवामा आतंकी हमले, मादक पदार्थों की तस्करी और आतंकवाद के वित्तपोषण में उसके आधार कार्ड के इस्तेमाल का पता चला है और जांच के बहाने उसे उसके फ्लैट में बंधक बना लिया। अधिकारी ने कहा, जालसाज ने उसे घर से बाहर न निकलने का निर्देश दिया और एक महीने के दौरान उसे अपनी बचत विभिन्न बैंक खातों में स्थानांतरित करने के लिए मजबूर किया। पुलिस के अनुसार, 78 वर्षीय पीड़ित ने अपनी शिकायत में बताया कि यह घटना चार अगस्त को तब शुरू हुई जब उन्हें एक व्यक्ति का फोन आया जिसने खुद को मुंबई पुलिस का अधिकारी बताया। फोन करने वाले ने उस पर मादक पदार्थ तस्करी के एक गिरोह से जुड़े होने का आरोप लगाया। इसके बाद, जालसाजों ने ईडी और सीबीआई अधिकारी बनकर उनसे संपर्क भी किया। अधिकारी ने कहा, डर के मारे पीड़ित ने उनके निर्देशों का पालन किया और अपने बैंक खातों से बताए गए खातों में पैसे भेजता रहा। आरोपियों ने बुजुर्ग को धमकी भी दी कि अगर उसने इस बारे में किसी को बताया तो उसे गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। पीड़ित को चार सितंबर तक परेशान किया गया और उसके बाद जालसाजों ने बुजुर्ग से संपर्क करना बंद कर दिया।

बिहार में महागठबंधन की बिसात बिछाएगी कांग्रेस, सीडब्ल्यूसी बैठक में तैयार होगी रणनीति

पटना, 22 सितम्बर। कांग्रेस पार्टी 24 सितंबर (बुधवार) को चुनावी राज्य बिहार में अपनी कार्यसमिति की बैठक आयोजित करने वाली है। पार्टी पटना स्थित अपने राज्य पार्टी मुख्यालय सदाकत आश्रम में कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक आयोजित करेगी। बैठक में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, वायनाड से सांसद प्रियंका गांधी, प्रदेश पार्टी अध्यक्ष राजेश राम, पार्टी के बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरु, राज्य विधायक दल के नेता शकील अहमद खान सहित कई नेताओं के शामिल होने की संभावना है। पार्टी के राज्य प्रभारी कृष्णा अल्लावरु ने सोमवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में सीडब्ल्यूसी बैठक की जानकारी दी और बताया कि पार्टी कथित 'वोट चोरी' और राज्य में बढ़ते अपराध, बेरोजगारी, महंगाई जैसे कई मुद्दों पर चर्चा करने वाली है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस बिहार में बिहार की बात तो करेगी ही, साथ ही राज्य में राष्ट्र की भी बात करेगी। बिहार में कई मुद्दों पर ध्यान देने की जरूरत है, जैसे बेरोजगारी, महंगाई, बढ़ता अपराध, महिलाओं के खिलाफ अपराध, और ट्रंप के सामने युद्धविराम या आत्मसमर्पण। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को लोगों की समस्याओं का समाधान खोजने में कोई दिलचस्पी नहीं है। उन्होंने कहा, ₹कांग्रेस कार्यसमिति बिहार में इन मुद्दों पर चर्चा करेगी। 11 साल बाद भी मोदी इन समस्याओं का समाधान खोजने में दिलचस्पी नहीं दिखा रहे हैं, लोगों को यह समझना चाहिए। मोदी जी उस छात्र की तरह हैं जो पढ़ाई और मेहनत से नंबर लाने में विश्वास नहीं रखता। बल्कि वह उस छात्र की तरह हैं जो नकल करने की कोशिश करता है।ः इससे पहले, कांग्रेस सांसद अखिलेश प्रसाद सिंह ने कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक के तुरंत बाद आगामी बिहार चुनावों के लिए सीट बंटवारे को अंतिम रूप देने का विश्वास जताया।

एएनआई से बात करते हुए, सिंह ने गठबंधन सहयोगियों के बीच एकता और भाजपा व नीतीश कुमार के गठबंधन को हराने के उनके साझा लक्ष्य पर जोर दिया।

उन्होंने राजद नेता तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद के लिए प्रमुख चेहरे के रूप में भी समर्थन दिया। उन्होंने कहा कि सीडब्ल्यूसी की बैठक के बाद यह जल्द ही हो जाएगा। इसमें कोई मुश्किल नहीं है; सभी दल पूरी तरह आश्वस्त हैं... तेजस्वी यादव मुख्यमंत्री पद के लिए सबसे बड़ा चेहरा हैं... प्राथमिकता भाजपा और नीतीश कुमार के गठबंधन को हराना है।

इस बीच, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव ने संकेत दिया कि महागठबंधन में सीट बंटवारे पर बातचीत लगभग अंतिम चरण में है और जल्द ही घोषणा होने की उम्मीद है। बिहार विधानसभा चुनाव अक्टूबर या नवंबर के अंत में होने की उम्मीद है। हालाँकि, भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) ने अभी तक आधिकारिक तारीख की घोषणा नहीं की है।

मोदी को अपने संबोधन में जम्मू-कश्मीर के पूर्ण राज्य के दर्जे के बारे में बात करनी चाहिए थीः फारूक

कश्मीर, 22 सितम्बर। नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने की बात करनी चाहिए थी। मोदी ने रविवार शाम अपने संबोधन में लोगों को जीएसटी सुधार के फायदे बताए। संशोधित जीएसटी दरें सोमवार से लागू हुईं।

अब्दुल्ला ने यहां संवाददाताओं से कहा, आप जीएसटी की बात कर रहे हैं, अच्छा होता अगर आपने (मोदी) अपने संबोधन में हमारे राज्य के दर्जे पर बात की होती। जब उनसे पूछा गया कि क्या नेकां को उच्चतम न्यायालय से अनुकूल फैसले की उम्मीद है, तो अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू-कश्मीर का हर नागरिक राज्य का दर्जा बहाल होने की उम्मीद लगाए बैठा है। राज्य का दर्जा बहाल करने के मुद्दे पर याचिका अक्टूबर के दूसरे सप्ताह में सुनवाई के लिए सूचीबद्ध है।

उन्होंने कहा, सिर्फ नेशनल कांफ्रेंस ही नहीं, बल्कि सभी को उम्मीद है कि हमें फिर से राज्य का दर्जा मिलेगा। जम्मू कश्मीर लिबरेशन फ्रंट (जेकेएलएफ) के अध्यक्ष यासीन मलिक के मुकदमे से संबंधित एक सवाल पर पूर्व मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने कहा कि यह अदालत का विषय है। उन्होंने कहा, फैसला अदालत

करती है। अदालत ही तय करेगी। हमारी इसमें कोई भूमिका नहीं है। मलिक को फरवरी 2019 में गिरफ्तार किया गया था और वह आतंकवाद को वित्तपोषित करने के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहा है। उस पर कई मामले लंबित हैं, जिनमें 1990 में रुबैया सईद के अपहरण और रावलपोरा में वायुसेना के कर्मियों पर हमले का मामला भी शामिल है।

अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर में शासन व्यवस्था को उस्तरे की धार पर चलने जैसा करार दिया। उन्होंने कहा, लेकिन हमें उस पर चलना है और पीछे नहीं हटना है। डोडा से आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक मेहराज मलिक की गिरफ्तारी को लेकर पूछे गए एक सवाल के जवाब में अब्दुल्ला ने कहा कि विधायक द्वारा इस्तेमाल की गई अनुचित थी, लेकिन उन्हें सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम (पीएसए) के तहत गिरफ्तार करना भी गलत था। उन्होंने कहा, मलिक द्वारा इस्तेमाल किए गए शब्द अनुचित थे, लेकिन पीएसए लगाना (भी) गलत था।

आपराधिक मानहानि कानून पर सुप्रीम कोर्ट की बड़ी टिप्पणी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को भारत के औपनिवेशिक काल के आपराधिक मानहानि कानूनों पर नए सिरे से बहस छेड़ दी, क्योंकि वह समाचार पोर्टल द वायर द्वारा दायर याचिकाओं पर सुनवाई के लिए सहमत हो गया, जिसमें जेएनयू की पूर्व प्रोफेसर अमिता सिंह द्वारा दायर मानहानि मामले में समन को रद्द करने की मांग की गई थी। लाइव लॉ की रिपोर्ट के अनुसार, सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति एम.एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने कहा कि मानहानि कानून को अपराधमुक्त करने का समय आ गया है।

अमेरिकी आत्मघाती वीजा बंदिशें, भारत के नये अवसर

-ललित गर्ग

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया भर के पेशेवरों, खासकर भारतीयों के सपनों पर एक नई काली छाया डाल दी है, उनके सपनों को चकनाचूर कर दिया है एवं एक बड़ा संकट खड़ा दिया है। 21 सितंबर की रात 12 बजे के बाद अमेरिका में प्रवेश करने वालों को एच1बी वीजा प्राप्त करने के लिए लगभग एक लाख डॉलर यानी करीब 88 लाख रुपये सालाना शुल्क देना होगा। यह निर्णय केवल एक प्रशासनिक आदेश नहीं, बल्कि वैश्विक प्रतिस्पर्धा, प्रतिभा-प्रवास और अमेरिका-भारत संबंधों पर गहरा प्रभाव डालने वाला कदम है। अमेरिका के इस कदम के बाद भारत को अपनी आत्म-निर्भरता, स्वदेशी भावना एवं देश की प्रतिभाओं का देश में ही उपयोग को बल देना होगा। भारत अब दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर होने के साथ अवसरों की भूमि बन रहा है। इसलिये अमेरिका के निर्णय से ज्यादा परेशान होने की बजाय इसको सकारात्मक दृष्टि से लेने की जरूरत है।

निश्चित ही अमेरिका दशकों से अवसरों की भूमि माना जाता रहा है। यहां आने का सपना रखने वालों के लिए एच1बी वीजा एक सुनहरा टिकट एवं उन्नत जीवन का आधार रहा है। हर साल हजारों भारतीय इंजीनियर, डॉक्टर, वैज्ञानिक और तकनीकी विशेषज्ञ इस वीजा के माध्यम से अमेरिका जाकर अपने सपनों को साकार करते रहे हैं। सिलिकॉन वैली की चमक और वहां भारतीय प्रतिभाओं का वर्चस्व इसका जीता-जागता प्रमाण है। गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, आईबीएम और फेसबुक जैसी दिग्गज कंपनियों में उच्च तकनीकी पदों पर भारतीय मूल के लोगों की उपस्थिति सर्वाधिक है। भारतीय आईटी पेशेवरों के बिना अमेरिकी तकनीकी जगत की कल्पना करना कठिन है। एच-1 बी वीजा की फीस में अप्रत्याशित वृद्धि का फैसला भारतीय आइटी कंपनियों के साथ अमेरिकी हितों को भी चोट पहुंचाने वाला है। इनमें आइटी सेक्टर से इतर क्षेत्र की कंपनियां भी हैं। इसका प्रमाण यह है कि उनके फैसले की आलोचना अनेक अमेरिकी ही कर रहे हैं। यदि ट्रंप यह सोच रहे हैं कि एच-1बी वीजा धारकों की फीस एक हजार डालर से एक लाख डालर सालाना करने से भारतीय और अमेरिकी कंपनियां अमेरिका के युवाओं को नौकरी देने के लिए बाध्य हो जाएंगी तो यह उनकी भूल है, क्योंकि इन कंपनियों को जैसे और जितने सक्षम युवा पेशेवर चाहिए, वे अमेरिका में हैं ही नहीं। अमेरिकी राष्ट्रपति यह भी भूल रहे हैं कि अमेरिका के आर्थिक विकास में अप्रवासियों विशेषतः भारतीय प्रतिभाओं का सर्वाधिक योगदान है और यह केवल पेशेवर लोगों का ही नहीं, बल्कि कामगारों का भी है।

भले ही ट्रंप प्रशासन का यह आदेश उनकी अमेरिका फर्स्ट नीति की अगली कड़ी है। उनका तर्क है कि विदेशी पेशेवर सस्ते श्रम के रूप में अमेरिकी नागरिकों की नौकरियां छीन रहे हैं। शुल्क इतना अधिक कर-के वे चाहते हैं कि केवल वही विदेशी पेशेवर अमेरिका आएं, जो न केवल उच्च योग्यता रखते हों बल्कि भारी शुल्क अदा करने की क्षमता भी रखते हों। लेकिन यह कदम अमेरिका के लिये ही आर्थिक दृष्टि से आत्मघाती साबित हो सकता है, क्योंकि अमेरिकी कंपनियों को उच्च कौशल वाले पेशेवरों की भारी जरूरत है और भारतीय आईटी पेशेवरों की कमी वहां सीधे तौर पर नवाचार और प्रतिस्पर्धा को प्रभावित करेगी। ट्रंप के फैसले को आपदा नहीं, बल्कि अवसर के रूप में देखना चाहिए।

पहले भारतीय प्रतिभा अमेरिका की ओर बहती थी, अब यह प्रवाह कनाडा, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया और सिंगापुर की ओर मुड़ सकता है। छात्र और युवा पेशेवर पहले से ही अमेरिकी वीजा नीतियों को लेकर असमंजस में रहते थे। अब यह आदेश उनके आत्मविश्वास और योजनाओं को और झकझोर देगा। हालांकि एक सकारात्मक पहलू यह भी है कि कई युवा भारत में ही स्टार्टअप्स, शोध और नई तकनीक के क्षेत्रों में काम करने की ओर आकर्षित होंगे। भारत पर इस नीति का असर केवल युवाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यापक सामाजिक-आर्थिक असर डाल सकता है। भारतीय आईटी कंपनियां जैसे इन्फोसिस, टीसीएस, विप्रो आदि अमेरिका में बड़े पैमाने पर कार्यरत हैं। एच1बी वीजा पर निर्भरता ज्यादा होने के कारण उनका खर्च बढ़ेगा और प्रतिस्पर्धा कमजोर होगी। भारतीय पेशेवर हर साल अरबों डॉलर भारत भेजते हैं, वीजा बाधाओं से यह प्रवाह घटेगा। हजारों भारतीय छात्र अमेरिका में उच्च शिक्षा लेकर वहीं काम करने का सपना देखते हैं। अब शुल्क की बाधा उनके लिए अमेरिका को कम आकर्षक बनाएगी। साथ ही भारत में ही वैश्विक स्तर के शोध और नवाचार केंद्र विकसित करने की संभावना भी बढ़ेगी।

अमेरिका और भारत के संबंध बीते दो दशकों में आर्थिक, रणनीतिक और तकनीकी सहयोग की नई ऊँचाइयों पर पहुंचे हैं। अमेरिका ने भारत को रणनीतिक साझेदार माना है। रक्षा, व्यापार और तकनीक में गहरे संबंध बने हैं और भारतीय प्रवासी अमेरिकी राजनीति और अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। लेकिन ट्रंप के निर्णय से यह संदेश गया है कि अमेरिका भारत को साझेदार तो मानता है, लेकिन जब घरेलू राजनीति का दबाव आता है तो साझेदारी पीछे छूट जाती है। भारत-अमेरिका संबंधों का आधार लोगों से लोगों का संपर्क रहा है। यदि भारतीय पेशेवर अमेरिका में कम होते हैं तो यह आधार कमजोर होगा। इन जटिल से जटिलतर होती स्थितियों में भारतीय कंपनियों को देश में ही अपना कारोबार बढ़ाने के जतन करने चाहिए, क्योंकि आने वाले समय में ट्रंप कुछ और ऐसे कदम भारतीय हितों को आहत करने वाले उठा सकते हैं। उन्होंने भले ही टैरिफ के मामले में लचीला रवैया अपनाते हुए भारत से शीघ्र व्यापार समझौता होने की संभावना जताई हो, लेकिन वे अब भी भारतीय हितों के विपरीत काम करते दिख रहे हैं। वे केवल यही दबाव नहीं बना रहे कि भारत रूस से तेल खरीदना बंद करे, बल्कि उन्होंने ईरान के चाबहार बंदरगाह में भारत के लिए मुसीबत खड़ी करने का काम किया है। ट्रंप अपने फैसलों को इस रूप में रेखांकित कर रहे हैं कि उनसे अमेरिकी अर्थव्यवस्था को पंख लग जाएंगे, लेकिन आठ माह का उनका कार्यकाल उनकी नाकामी ही बयान कर रहा है।

चौंकाने वाले फैसले लेना भले ही ट्रंप की आदत हो, लेकिन सेवा क्षेत्र में पहली बार अपनी संरक्षणवादी नीति के दर्शन करा, वह भूल रहे हैं कि अमेरिका को बनाने में अप्रवासियों की बड़ी भूमिका रही है। सिलिकॉन वैली के करीब एक-तिहाई टेक-कर्मचारी भारतीय मूल के हैं। फॉर्च्यून 500 की लगभग डेढ़ दर्जन कंपनियों में शीर्ष पर भारतीय बैठे हैं, जो अमेरिकी अर्थव्यवस्था के इंजन भी हैं। 2024 में 72 यूनिकॉर्न स्टार्टअप भारतीय मूल के लोगों के थे, जिनका कुल मूल्य करीब 195 अरब डॉलर आंका गया था। इन कंपनियों में अमेरिकी भी काम करते हैं। अमेरिकी आबादी में बमुश्किल डेढ़ फीसदी होने के बावजूद भारतीय पांच से छह फीसदी कर अदा करते हैं। नैसकॉम का यह कहना उचित ही है कि एच-1बी वीजा जैसे फैसलों का नकारात्मक असर अमेरिका में नवाचार के माहौल और रोजगार आधारित अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा।

दुनिया के अन्य देशों की नीतियों से तुलना की जाए तो कनाडा प्रवासी पेशेवरों और छात्रों को आकर्षित करने के लिए वीजा और स्थायी निवास की नीतियों को सरल बना रहा है। जर्मनी और ऑस्ट्रेलिया तकनीकी प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने के लिए रेड कार्पेट बिछा रहे हैं, जबकि अमेरिका उल्टा रास्ता चुन रहा है जो दीर्घकाल में उसे वैश्विक प्रतिभा की कमी की ओर धकेल सकता है। भारत के लिए यह अवसर है कि वह प्रतिभाओं के पलायन को रोकने के लिए अपनी नीतियों और बुनियादी ढांचे को सशक्त बनाए। शिक्षा, शोध और स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देकर भारत अमेरिका के विकल्प के रूप में उभर सकता है। अमेरिका के लिए यह कदम उसके उस आदर्श को धूमिल करेगा जिसके अनुसार वह इमिग्रेशन की भूमि कहलाता है और उसकी वैश्विक नेतृत्व क्षमता को कमजोर करेगा। रवींद्रनाथ टैगोर की ये पंक्तियाँ यहां सार्थक लगती हैं-स्वतंत्रता वह है, जहां ज्ञान निर्भय होता है और दुनिया सीमाओं से विभाजित नहीं होती।‍ अमेरिका की यह दीवार प्रतिभा की उड़ान को थाम नहीं पाएगी। भारतीय युवाओं को अब अपने ही देश को अवसरों की भूमि में बदलना होगा।

तिहाड़ में खूंखार अपराधियों-आतंकियों की क़ब्रों पर 'आस्था' को सैलाब

-अजय कुमार

दिल्ली की तिहाड़ जेल जो एशिया की सबसे बड़ी और सुरक्षित मानी जाने वाली जेल है, उसके भीतर हाल में एक ऐसा शर्मनाक और विचलित करने वाला दृश्य सामने आया है जिस पर समाज के हर जिम्मेदार नागरिक को गहराई से सोचने की आवश्यकता है। यह वही जेल है जहां देश के सबसे खूंखार आतंकवादी, अपराधी और दुर्दांत कैदी रखे जाते हैं। परंतु आश्चर्यजनक यह है कि यहां इन अपराधियों और आतंकवादियों के लिए कब्र के रूप में एक व्यवस्था खड़ी हो गई है और वहां का माहौल किसी मेले की तरह बना दिया गया है। जो स्थान अपराधियों और आतंकियों की धूर्तता और दहशत का प्रतीक होना चाहिए, वही अब उनके तथाकथित महिमामंडन का स्थल बन रहा है। दिल्ली की अदालतों में इस बाबत याचिकाएं भी दर्ज की गई हैं जिनमें इसे रोकने और इस पर ठोस नकेल कसने की मांग की गई है। मामला ऐसा है कि तिहाड़ जेल परिसर के भीतर कुछ अपराधियों और आतंकवादियों की मौत के बाद उनकी कब्र बनाई गई। समय के साथ इन कब्रों के आसपास स्थानीय स्तर पर एक भीड़ जुटने लगी और अंध विश्वास के चलते लोगों ने इसे आस्था का केंद्र बना डाला। जिन अपराधियों ने समाज को हिंसा, आतंक और खूनखराबे के सिवा कुछ नहीं दिया, आज उन्हीं की कब्रों पर श्रद्धांजलि देने, फूल चढ़ाने और मन्नत मांगने का ढोंग हो रहा है। कोई इसे अपने कारोबार के लिए शुभ मान रहा है तो कोई अपने निजी मामलों के लिए चमत्कार की उम्मीद लगाए बैठा है। इससे भी अधिक चिंताजनक यह कि अपराधियों के नाम पर बने इन स्थलों पर जुट रही भीड़ में अपराधियों की छवि को नायक का रूप दिया जा रहा है।

भारतीय न्याय व्यवस्था और संविधान ने हमेशा यह स्पष्ट रूप से कहा है कि अपराधी चाहे कितना बड़ा क्यों न हो, उसके साथ न्यायिक प्रक्रिया के तहत व्यवहार किया जाना चाहिए। लेकिन तिहाड़ जैसे संवेदनशील स्थल के भीतर खून से रंगे हाथों वाले अपराधियों की कब्र पर हो रहा यह जमावड़ा न्याय और समाज, दोनों के लिए सबसे बड़ा अपमान है। यह वह जेल है जहां आतंकी साजिश रचने वाले, देशद्रोह करने वाले, निर्दोषों का कत्ल करने वाले और संगठित आपराधिक गैंग चलाने वाले कैद होकर अपने अपराधों की सजा भुगतते रहे। मगर उनकी मृत्यु के बाद कब्रों को पूजा स्थल बना देना उस व्यवस्था की सबसे बड़ी विफलता है जो सुरक्षा और सुधार के नाम पर चल रही है। इस पूरे घटनाक्रम को अदालत में चुनौती दी गई है। याचिकाकताओं का कहना है कि तिहाड़ जेल जैसे अत्यंत संवेदनशील स्थान पर अपराधियों और आतंकियों के नाम पर कब्रें बनाना और वहां मेला-जैसा माहौल बनाना न केवल कानून के विरुद्ध है बल्कि पूरे समाज में अपराध और आतंक के प्रति गलत संदेश देता है। अदालत में दिए गए तर्कों में यह भी कहा गया कि अपराधियों का जत्था हमारे समाज का आदर्श नहीं बन सकता, फिर उनकी कब्र को किसी तरह की मान्यता देना न्याय और अपराध, दोनों के बीच की रेखा को धुंधला कर देगा। अदालत से यह मांग की गई है कि जेल परिसर से इन कब्रों को हटाया जाए और इस प्रकार की गतिविधियों पर सख्ती से रोक लगाई जाए। तिहाड़ जेल प्रशासन भी इस मामले में कठघरे में खड़ा है। यह सवाल स्वाभाविक है कि आखिर प्रशासनिक चूक के चलते ऐसी कब्रें कैसे बनने दी गईं और वहां भीड़ जुटने से रोकने के लिए उचित और समय पर कदम क्यों नहीं उठाए गए। देश की सबसे बड़ी जेल से इस प्रकार की खबर बाहर आना प्रशासनिक लापरवाही का ही सुबूत है। यदि अपराधियों का महिमामंडन जेल के भीतर ही होने लगे और लोग उन्हें पूजने लगें, तो इसका सीधा असर जेल की सुरक्षा, कानून व्यवस्था और समाज की मनोवृत्ति पर पड़ेगा।

समाजशास्त्र के विशेषज्ञ इसे अत्यंत खतरनाक बताते हैं। उनका कहना है कि अपराधियों को किसी भी रूप में आदर्श या नायक बनाने की प्रक्रिया नई पीढ़ी के भीतर विकृत आदर्श गढ़ने का काम करती है। आज तिहाड़ जेल के भीतर जो हो रहा है, वह आने वाले कल में युवाओं के लिए यह संदेश देगा कि अपराध करके भी कोई मौत के बाद समाज में महिमामंडित हो सकता है। यह वह मानसिकता है जो अपराध को पनाह देती है और कानून के शासन को कमजोर करती है। इन कब्रों पर जुटने वाले लोगों में से कई ऐसे भी हैं जो अपराधियों की दबंग छवि से प्रभावित होकर उनसे प्रेरणा लेने की बात करते हैं। यह स्थिति केवल व्यक्तिगत स्तर पर खतरनाक नहीं है बल्कि समाज की व्यापक संरचना के लिए भी घातक है। अपराधियों और आतंकवादियों की छवि को महिमामंडित किया जाना उस दर्द और गम का अपमान है जो उनके पीड़ितों ने भोगा। जिन परिवारों ने अपने प्रिय जनों को आतंक और अपराध की भेंट चढ़ते देखा है, उनके लिए यह दृश्य और अधिक कचोटने वाला होगा जब वे देखेंगे कि उन्हीं अपराधियों और आतंकियों की कब्रों पर फूल चढ़ाए जा रहे हैं। इस तरह के दृश्य यह भी बताते हैं कि हमारे समाज में अंधविश्वास और गलत नायकों को पूजने की प्रवृत्ति किस हद तक गहरी है। यह स्थिति केवल तिहाड़ जेल तक सीमित नहीं रह सकती, बल्कि आने वाले समय में देश के अन्य हिस्सों में भी अपराधियों को नायक बनाने की संस्कृति को बढ़ा सकती है। इससे रोकथाम करना केवल प्रशासन की ही जिम्मेदारी नहीं है बल्कि आम नागरिकों को भी यह समझना होगा कि अपराधियों को किसी भी रूप में पूजना एक सामाजिक अपराध है।

अदालत में दर्ज याचिकाओं पर सुनवाई जारी है और अदालत ने प्रशासन से जवाब मांगा है कि आखिरकार किस आधार पर इन कब्रों को बनने दिया गया और वहां आस्था के नाम पर भीड़ इकट्ठा होने से क्यों नहीं रोका गया। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि इसमें प्रशासन की कोई मिलीभगत पाई गई तो जिम्मेदार अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। यह फैसला आने वाले समय में इस प्रकार की घटनाओं के लिए मिसाल बनेगा। तिहाड़ जेल का मामला हमें यह याद दिलाता है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था और न्यायिक प्रणाली का सबसे बड़ा उद्देश्य समाज को अपराध और भय से मुक्त रखना है। जब उस व्यवस्था की सबसे प्रतिष्ठित जेल ही अपराधियों का महिमामंडन करने लगे तो यह हमारे लिए चेतावनी की तरह है। ऐसे में आवश्यक है कि तुरंत कठोर कदम उठाकर इन कब्रों को हटाया जाए, वहां जुट रहे जमावड़े को पूरी तरह से रोका जाए और अपराधियों की किसी भी प्रकार से पूजा करने की प्रवृत्ति को कानून के दायरे में अपराध मानकर कार्रवाई की जाए। देश के करोड़ों नागरिक उम्मीद लगाए बैठे हैं कि अदालत इस मसले पर कठोर निर्णय लेगी और प्रशासन अपनी लापरवाही का प्रायश्चित करेगा। क्योंकि यह केवल जेल प्रशासन या अदालत का विषय नहीं है, बल्कि पूरे समाज के सम्मान और न्याय की रक्षा से जुड़ा हुआ मामला है। खून से सनी कहानियों वाले अपराधियों को नायक या संत का चोला पहनाना भारतीय समाज के लिए सबसे बड़ी शर्मनाक स्थिति है। अब समय आ गया है कि इस स्थिति को निर्णायक रूप से रोका जाए और तिहाड़ जैसे नामचीन स्थल पर कानून और न्याय की ही सत्ता कायम हो।

देवी शक्ति के नौ रूपों की उपासना का पर्व शारदीय नवरात्र

-संजय सक्सेना

भारत भूमि को विश्व में उस संस्कृति के लिए जाना जाता है, जिसमें प्रकृति, शक्ति और तन-मन का संतुलन सर्वोच्च स्थान पर है। इस परंपरा के केंद्र में देवी शक्ति के विविध रूपों की पूजा और साधना का विशेष महत्व रहा है। इन्हीं महान पर्वों में से एक है शारदीय नवरात्र, जो आश्विन मास में प्रतिपदा तिथि से आरंभ होकर नौ दिनों तक चलता है और विजयादशमी को संपन्न होता है।आज इसका प्रथम दिन माँ शैली पुत्री को समर्पित है। यह पर्व केवल धार्मिक अनुष्ठान का काल नहीं, बल्कि साधना, संयम और आत्मशुद्धि का उत्सव माना जाता है। सनातन परंपरा में वर्ष भर चार नवरात्रों का उल्लेख है। चौत्र, आषाढ़, आश्विन और माघ। इनमें से चौत्र और शारदीय नवरात्र अधिक प्रसिद्ध और व्यापक रूप से मनाए जाते हैं। शारदीय नवरात्र शरद ऋतु की शुरूआत में आता है। यह केवल ऋतु परिवर्तन का संकेत नहीं, बल्कि प्रकृति और मानव जीवन में संतुलन साधने का काल माना जाता है। धार्मिक दृष्टि से यह नौ दिन देवी शक्ति के नौ रूपों की उपासना के लिए समर्पित होते हैं। कहा जाता है कि देवी सृष्टि में प्रेरणाशक्ति हैं और उन्हीं की साधना से मनुष्य के जीवन में सकारात्मक ऊर्जा, साहस और विजय की प्राप्ति होती है।

नवरात्र के प्रत्येक दिन देवी के अलग-अलग स्वरूप की पूजा होती है। प्रथम दिन पर्वतराज हिमालय की शैलपुत्री की पूजा होती है,जिनसे श्रद्धा और स्थिरता का संदेश मिलता है। दूसरे दिन माॅ ब्रह्मचारिणी‍ की, तीसरे दिन माँ चंद्रघंटा चौथे दिन दिन माॅ कूष्मांडा पांचवे दिन स्कंदमाता छठे दिन माँ कात्यायनी सातवें दिन माँ कालरात्रि आठवें माॅ महागौरी और नौवें और अंतिम दिन माँ सिद्धिदात्री की पूजा होती है। माॅ के इन नौ रूपों की उपासना मानव जीवन को स्थिरता, संयम, साहस, नवसृजन, करुणा, धर्मरक्षा, भयमुक्ति, पवित्रता और सिद्धि से संपन्न होने के लिये की जाती है।

शारदीय नवरात्र का सबसे महत्वपूर्ण पहलू व्रत, उपवास और संयम है। उपवास केवल अन्न का त्याग ही नहीं, बल्कि विषय-वासना और नकारात्मक भावनाओं से भी दूरी बनाने का साधन माना गया है। पारंपरिक रूप से श्रद्धालु इस अवधि में फलाहार करते हैं और माँ दुर्गा को अर्पित किए जाने वाले प्रसाद का सेवन करते हैं। धर्मशास्त्रों में उल्लेख है कि इस समय मनुष्य की इच्छाशक्ति और मानसिक दृढ़ता को शक्ति मिलती है। साथ ही, शरीर को भी शुद्ध करने के लिए यह उपवास सहायक होता है, क्योंकि ऋतु परिवर्तन के समय साधारण भोजन की अपेक्षा हल्का और सात्त्विक आहार स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है।

नवरात्र के बाद दशम दिन विजयादशमी मनाई जाती है। यह दिन बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है। पौराणिक कथाओं के अनुसार इसी दिन देवी दुर्गा ने महिषासुर का वध किया था। इसी दिन भगवान राम ने रावण पर विजय पाई थी। विजयादशमी इसलिए केवल धार्मिक पर्व ही नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से भी महत्वपूर्ण है। यह संदेश देता है कि अंततः सत्य की ही विजय होती है।

बहरहाल, देश के विभिन्न हिस्सों में शारदीय नवरात्र अलग-अलग रूपों में मनाया जाता है। उत्तर भारत के मंदिरों में सप्तशती पाठ और अखंड दुर्गा पूजा की परंपरा है। बंगाल और पूर्वी भारत में दुर्गा पूजा भव्य पंडालों, मूर्ति स्थापन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ होती है। गुजरात में गरबा और डांडिया की विशेष परंपरा रही है, जहाँ स्त्री-पुरुष शक्ति स्वरूपा माँ की आराधना करते हुए नृत्य में भाग लेते हैं। बिहार और उत्तर प्रदेश में रामलीला और रावण-दहन का आयोजन होता है। इन सभी रूपों में एक ही भाव छिपा होता है बुराई पर अच्छाई की विजय और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार।

शारदीय नवरात्र केवल आस्था का पर्व ही नहीं, बल्कि जीवन को अनुशासित करने का अवसर भी है। वैज्ञानिक दृष्टि से देखें तो ऋतु परिवर्तन के समय उपवास और सात्विक आहार शरीर को स्वास्थ्य देता है। ध्यान और जप मनःशांति प्रदान करते हैं। आध्यात्मिक दृष्टि से यह पर्व आत्मशुद्धि और ईश्वर से एकात्म होने का उत्तम समय है। साधना और उपासना का यह क्रम मनुष्य को भीतर से मजबूत करता है और जीवन की कठिनाइयों से जूझने का साहस देता है। शारदीय नवरात्र केवल नौ दिनों का धार्मिक आयोजन भर नहीं, बल्कि भारत की सनातन संस्कृति का जीवंत प्रतीक है। यह पर्व व्यक्ति को आत्मसंयम, आध्यात्मिक साधना और सांस्कृतिक समृद्धि का संदेश देता है। नौ दिनों की भक्ति और साधना के पश्चात विजयदशमी का उत्सव हर मानव को यह प्रेरणा देता है कि चाहे जीवन में कितने ही संघर्ष क्यों न आएं, सत्य, धर्म और सद्गुण की विजय अवश्य होती है।

भारत में कृत्रिम मेधा का उपयोग रोजगारोन्मुख होना चाहिए

संजीव ठाकुर

भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश में जहां की आबादी 141 करोड़ है इन परिस्थितियों में रोबोट आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की उपयोगिता कितनी सार्थक होगी यह एक बड़ा प्रश्न चिन्ह खड़ा करता है। भारत में बेरोजगारी चरम सीमा पर है ऐसे में रोबोट और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस देश के युवाओं का हक छिनता नजर आता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक और रोबोट का का कुछ इस तरह प्रयोग किया जाना चाहिए जिससे रोजगार के अवसर में विस्तार हो और ज्यादा से ज्यादा युवक रोजगार पा सके। यह तो सब विदित है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोट का निर्माण मनुष्य ने ही किया है तो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोट को एम्प्लॉयमेंट ओरिएंटेड यानी रोजगारोंन्मुख बनाने का काम भी मानव कर ही सकता है वैज्ञानिकों ने मानव की सहायता के लिए और देश की बेहतरी के लिए अविष्कार किया है, इन परिस्थितियों में कृत्रिम मेधा और रोबोट किन्हीं भी परिस्थितियों में युवकों को रोजगार प्राप्त करने से रोकने का माध्यम नहीं बनना चाहिए। इसे रोजगार हेतु सकारात्मक दृष्टिकोण को दृष्टिगत रखते हुए नए तरीके के आविष्कार किए जाने की आवश्यकता है जिसस रोजगार को बढ़ावा मिल सके।

अभी तक तो अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, इजरायल, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के मामले में काफी आगे हो चुकें हैं पर अब खाड़ी के देशों विगत 5 साल में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को अपनाकर अपनी आर्थिक स्थिति केवल तेल के कुए पर सिमटे न रह कर अन्य योजनाओं पर भी काम करना शुरू कर दिया है और आश्चर्यजनक रूप से यूएई, सऊदीअरबिया, कतर, मिस्त्र, जॉर्डन, मोरक्को और अन्य देशों में यूरोप की तुलना में अब और ज्यादा खर्च करके आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की तकनीक को अपने देश में बहुत मजबूत बना लिया। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जितने फायदे हैं उससे ज्यादा विकासशील देशों के लिए यह नुकसान देह भी हो सकता है आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोट के भारतीय संदर्भ में जहां जनसंख्या 141 करोड़ हो चुकी है और बड़ी संख्या में युवा बेरोजगार है ज्यादा प्रयोग से लोगों की नौकरियां जाने का बड़ा खतरा उत्पन्न हो सकता है। यह बात दुनिया के बड़े अरबपति कारोबारी टेस्ला और एक्स के कारोबारी एलन मस्क ने स्टार्टअप के एक कार्यक्रम में फ्रांस में महत्वपूर्ण अंदाज में कहीं, भविष्य के लिए यह बात एकदम सटीक एवं सार्थक है। एक अन्य अरबपति कारोबारी इयान बैंक्स ने भी इस पर गंभीर चिंता जताई है। यह बात सभी विकासशील देशों के लिए भी लागू हो सकती है। अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस नफ्ज पढ़कर आपके मस्तिष्क की बात तुरंत पकड़कर उस पर अमल करने लगेगा। अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पल्स रेट द्वारा आपके मन की हर बात जानने में सक्षम हो सकता है। आ

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जितने फायदे हैं उससे ज्यादा विकासशील देशों के लिए यह नुकसान देह भी हो सकता है आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आपकी पल्स रीडिंग और मानसिक विचारधारा को केवल थंब इंप्रेशन में ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का डिवाइस पढ़ कर उस पर अमल कर सकता है। इस टेक्नोलॉजी से अमेरिका तथा यूरोपीय देश अब तक दुश्मन की अनेक सूचनाएं बड़ी आसानी से प्राप्त कर उसका सामरिक उपयोग करने में लगे हुए हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग रूस अपनी टेक्नोलॉजी का उपयोग कर मिसाइल दागने में यूक्रेन यूक्रेन के विरुद्ध कर रहा है और अब तक यूक्रेन यूरोपीय तथा नाटो देश की मदद से इसी तकनीक के सहारे रूस के विरुद्ध अब तक टिका हुआ है वैसे तो यूक्रेन और रूस का युद्ध में काफी नुकसान हुआ है पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भरपूर उपयोग दोनों देश एक दूसरे पर कर रहे।

विकासशील देशों में इस टेक्नोलॉजी का विकास अभी काफी एडवांस नहीं है इन परिस्थितियों में उनके लिए उनके सामरिक महत्व की चीजें छुपाना दुश्मन देशों के सामने कठिन हो जाएगा और उनकी खुफिया जानकारी शक्तिशाली देश आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस केवल एक सूत्र प्राप्त करने के बाद ही पूरी प्राप्त कर सकते हैं.

खाड़ी के देश जिनमें सऊदी अरबिया, कतर ,मिस्त्र, जॉर्डन, यूएई अपने बजट का 34% बढ़ा हुआ हिस्सा एआई तकनीक पर लगातार कर रहे हैं। खाड़ी के देश इस टेक्नोलॉजी का उपयोग इस वजह से कर रहे हैं क्योंकि यह उनकी भविष्य की योजनाओं का महत्वपूर्ण हिस्सा है जिससे वे तेल की कमाई से हटकर अन्य साधनों से अपनी अर्थव्यवस्था में सुधार ला सकें। यूं एई पहला देश है जिसने 2017 ने इस तकनीक को अपनाया था इसके बाद खाड़ी के देशों में अब टेक्नोलॉजी को अपनाने में होड़ हो गई है। यह सभी देश एआई टेक्नोलॉजी पर लगभग 3 अरब डॉलर खर्च कर चुके हैं' दूसरी तरफ यदि इसका इस्तेमाल अति विशेषज्ञों द्वारा नहीं किया गया तो इसका दुरुपयोग जिन देशों के पास इन टेक्नोलॉजी से एडवांस टेक्नोलॉजी है वह पूरी जानकारी निकालने में सक्षम होंगे।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग यूरोपीय देश न सिर्फ सामरिक महत्व की चीजों में कर रहे हैं बल्कि मेडिकल साइंस और अंतरिक्ष विज्ञान में भी पूरी तरह हो रहा है और इससे बहुत फायदे भी मिल रहे हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मानव प्रजाति के लिए जितना फायदेमंद है दूसरी तरफ उतना ही नुकसान दे और इससे वैश्विक शांति को खतरा भी हो सकता है' एक्टिविस्ट मानते हैं कि रोबोट की तरह इस तरह की विज्ञान पर आधारित चीजें माननीय प्रजाति को खत्म कर सकती है बल्कि उनकी चिंता डेटा सुरक्षा प्रपोगेंडा सर्विलांस के विरुद्ध होने वाले नुकसान पर भी ज्यादा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर खाड़ी के देशों ने एआई के इस्तेमाल पर दिशा निर्देश तय कर उसे जारी किया है हालांकि इस पर कोई कानूनी बाध्यता नहीं है फिर भी इसका दुरुपयोग होने से मानव को खतरा भी हो सकता है यह एक वैश्विक चिंता की बात है।

संवाद हीनता: परिवार और समाज की चुनौती

आज का समय बहुत तेजी से बदल रहा है। तकनीकी प्रगति और व्यस्त जीवनशैली ने हमारे जीवन को सुविधाजनक बनाया है, लेकिन इसके साथ ही एक गंभीर समस्या भी सामने आई है‍ संवाद हीनता। संवाद हीनता का अर्थ है बातचीत और विचारों के आदान-प्रदान की कमी। यह केवल शब्दों की कमी नहीं है, बल्कि एक ऐसी स्थिति है जिसमें लोग अपनी भावनाओं, समस्याओं और अनुभवों को साझा नहीं कर पाते। परिवार, मित्रता और समाज सभी पर इसका गहरा असर पड़ता है। परिवार जीवन का वह आधार है जहाँ बच्चे और बड़े अपने अनुभव साझा करते हैं और आपसी समझ विकसित करते हैं। लेकिन आज, व्यस्त जीवन, डिजिटल साधनों का अधिक प्रयोग और पीढ़ियों के अंतर ने पारिवारिक संवादिता को कमजोर कर दिया है। माता-पिता अपने काम और जिम्मेदारियों में इतने व्यस्त रहते हैं कि बच्चों के साथ समय बिताना मुश्किल हो जाता है। वहीं, बच्चे स्कूल, कोचिंग और मोबाइल की दुनिया में उलझे रहते हैं। परिणामस्वरूप, घर में बैठकर खुलकर बातचीत करना लगभग कम होता जा रहा है।

डिजिटल दुनिया ने जीवन को आसान बनाया है, लेकिन इसके दुष्परिणाम भी हैं। स्मार्टफोन, टीवी और सोशल मीडिया ने परिवार के सदस्यों को एक-दूसरे से दूर कर दिया है। युवा सदस्य अधिक समय इन माध्यमों में व्यतीत करते हैं और आमने-सामने संवाद कम हो जाता है। ऐसे संवाद अक्सर सतही हो जाते हैं और भावनाओं की गहराई को व्यक्त नहीं कर पाते। पीढ़ियों का अंतर भी संवाद में बाधा डालता है। बुजुर्ग अनुभव और परंपरा पर भरोसा करते हैं, जबकि युवा आधुनिक दृष्टिकोण और स्वतंत्रता की ओर अधिक झुकाव रखते हैं। यह अंतर कभी-कभी परिवार में गलतफहमी और असहमति को जन्म देता है। छोटे-छोटे झगड़े या आलोचना भी भावनात्मक दूरी बढ़ा देती है और परिवार में मानसिक तनाव उत्पन्न करती है।

संवाद हीनता केवल परिवार तक सीमित नहीं है। समाज में भी लोग अपनी राय, शिकायत या सुझाव साझा नहीं करते। इससे सहयोग और सामूहिक प्रयास कमजोर पड़ते हैं और गलतफहमियाँ बढ़ती हैं। उदाहरण के लिए, यदि किसी मोहल्ले में सफाई या सुरक्षा संबंधी समस्या को साझा नहीं किया जाता, तो समाधान कठिन हो जाता है और विवाद पैदा हो सकते हैं। संवाद हीनता के कई कारण हैं। व्यस्त जीवनशैली, डिजिटल उपकरणों का अत्यधिक उपयोग, डर या शर्म की भावना, मानसिक तनाव, सामाजिक दूरी और पीढ़ियों के बीच अंतर–ये सभी मिलकर लोगों को खुलकर संवाद करने से रोकते हैं। इसके नकारात्मक प्रभाव व्यक्तिगत, पारिवारिक और सामाजिक स्तर पर दिखाई देते हैं। व्यक्ति में अकेलापन और मानसिक तनाव बढ़ता है, आत्मविश्वास कमजोर पड़ता है। परिवार में विश्वास और समझ की कमी होती है। समाज में सहयोग और सामूहिक प्रयास कम हो जाते हैं। इस समस्या को दूर करने के लिए कुछ उपाय अपनाए जा सकते हैं। सबसे पहले, नियमित संवाद का समय निर्धारित करना जरूरी है। परिवार के साथ भोजन, चाय या वीकेंड पर बातचीत को प्राथमिकता दी जा सकती है। दूसरी महत्वपूर्ण बात है सुनने और समझने की आदत। आलोचना से बचकर, एक-दूसरे की बात ध्यानपूर्वक सुनना और समझना संवादिता को बढ़ाता है। तीसरी बात है साझा गतिविधियों का महत्व। खेल, यात्रा, हॉबीज या सामाजिक कार्यों में परिवार और दोस्तों को शामिल करने से संवाद प्राकृतिक रूप से बढ़ता है। डिजिटल उपकरणों का संतुलित उपयोग भी जरूरी है। मोबाइल और टीवी से समय निकालकर आमने-सामने बातचीत को प्राथमिकता देना चाहिए। साथ ही, अपनी भावनाओं को खुलकर व्यक्त करना भी आवश्यक है। डर या शर्म के कारण अपनी भावनाओं को दबाना संवादिता को और कमजोर करता है। बच्चों को भी अपनी भावनाएँ व्यक्त करने के लिए प्रेरित करना चाहिए। संक्षेप में, संवादिता जीवन का वह आधार है जो रिश्तों, विश्वास और सहयोग को मजबूत करती है। संवाद हीनता केवल बातचीत की कमी नहीं है, बल्कि परिवार और समाज की संरचना को प्रभावित करने वाली गंभीर समस्या है। इसे समय रहते पहचानना और समाधान करना आवश्यक है। खुली बातचीत, सकारात्मक सुनना और साझा गतिविधियाँ न केवल परिवार और समाज को मजबूती देती हैं, बल्कि व्यक्तिगत विकास और मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी अत्यंत आवश्यक हैं। आज की चुनौती यह है कि हम अपनी व्यस्तता, डिजिटल साधनों और पीढ़ियों के अंतर के बावजूद संवादिता को प्राथमिकता दें। संवादिता ही वह माध्यम है जो हमें एक-दूसरे के करीब लाती है, समझ को गहरा करती है और समाज में सामूहिक सहयोग को बढ़ावा देती है। परिवार और समाज तभी सशक्त रह सकते हैं जब संवादिता मौजूद हो और इसे बढ़ावा दिया जाए। यही हमारी सबसे बड़ी आवश्यकता और जिम्मेदारी है। **– डॉ सत्यवान सौरभ**

रईस हाई स्कूल के सहायक हेडमास्टर मुख्लिस मदू को उत्कृष्ट सेवा सम्मान पुरस्कार से किया गया सम्मानित

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। हालात साहित्यिक मंच और मखदूमा फाउंडेशन द्वारा रॉयल इंग्लिश स्कूल धामनकर नाका भिवंडी में पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया जिसमें सहायक हेडमास्टर मुख्लिस मदु को उत्कृष्ट सेवा सम्मान पुरस्कार से सम्मानित किया गया ।इस अवसर पर जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले व्यक्तियों को सम्मानित करने के लिए एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया था। इस समारोह में रईस हाई स्कूल एंड जूनियर कॉलेज भिवंडी के असिस्टेंट हेडमास्टर मुख्लिस मदू को उनकी शैक्षणिक, शिक्षण, सामाजिक, सांस्कृतिक और कल्याणकारी सेवाओं और उनके प्रशासनिक प्रदर्शन के लिए ₹उत्कृष्ट सेवा सम्मान पुरस्कार₹से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार साहित्यिक मंच और मखदूमा फाउंडेशन के ज़िम्मेदार सादिक अंसारी, एडवोकेट अमीन खान और प्रिंसिपल जियाउर रहमान अंसारी द्वारा प्रदान किया गया। इस सम्मान एवं पुरस्कार पर हर्ष व्यक्त करते हुए केएमई सोसायटी प्रबंध समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों, हाई स्कूल एवं जूनियर कालेज के चेयरमैन यासर तातली, प्रधानाचार्य जियाउर रहमान अंसारी, उप प्रधानाचार्य आमिर सिद्दीकी, पर्यवेक्षक असरार पठान, सिब्तैन कशेलकर, वाईसीएमओयू अध्ययन केंद्र के समन्वयक अब्दुल अजीज अंसारी एवं समस्त स्टाफ ने मुख्लिस मदू को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

पालघर के मीत पाटील ने जूडो में हासिल किया कांस्य पदक

पालघर (उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। पालघर जिले के खिलाड़ी मीत हर्षल पाटिल ने मुंबई विश्वविद्यालय की अंतर-महाविद्यालयीन जूडो प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक जीतकर जिले का नाम रोशन किया है। यह स्पर्धा हाल ही में पवई स्थित एस.एम. शेट्टी कॉलेज में आयोजित की गई। मीत पाटील पिछले कई वर्षों से मार्शल आर्ट्स के क्षेत्र में सक्रिय हैं। विशेष बात यह है कि उन्होंने तीसरी कक्षा में ही केरल में आयोजित राष्ट्रीय कराटे चैम्पियनशिप में रजत पदक हासिल कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया था। इसके बाद उन्होंने विभिन्न स्तरों की स्पधाओं में पदक जीतते हुए अपनी जीत का सिलसिला जारी रखा, जिनमें अक्षय कुमार द्वारा आयोजित कराटे प्रतियोगिता भी शामिल है। मीत की इस सफलता का श्रेय उनके प्रशिक्षक डॉ. राजू खान को भी जाता है, जो पिछले 23 वर्षों से पालघर में कराटे, मार्शल आर्ट्स और बॉक्सिंग का प्रशिक्षण दे रहे हैं। डॉ. खान ने जर्मनी के बर्लिन विश्वविद्यालय से मार्शल आर्ट्स में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है। उनके मार्गदर्शन में मीत ने अपने कौशल को निखारा और इस उपलब्धि को हासिल किया। प्रतियोगिता में वेदांत जोशी (जोशी महाविद्यालय) ने स्वर्ण पदक, विक्रम ठाकुर (ठाकुर महाविद्यालय) ने रजत पदक, जबकि मीत पाटील (ठाकुर महाविद्यालय) और सूरज सिंह (रिजवी कॉलेज) ने कांस्य पदक अपने नाम किया।

मनीबॉक्स ने पूरी तरह से सुरक्षित लेंडिंग मॉडल के साथ बिहार में अपनी मौजूदगी को बनाया सशक्त

मुंबई/पटना। बीएसई पर सूचीबद्ध एनबीएफसी मनीबॉक्स फाइनैंस लिमिटेड जो देश के वंचित इलाकों में लघु एवं छोटे उद्यमों को ऋण देकर सशक्त बना रही है, इस कंपनी ने बिहार में 100 फीसदी सुरक्षित लोन पोर्टफोलियो के साथ उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है, मार्च 2025 में कंपनी का एयूएम (असेट अंडर मैनेजमेन्ट) रु 37.1 करोड़ के आंकड़े को छू गया है। कंपनी राज्य के मुख्य जिलों में 13 शाखाओं का संचालन करती है। सितम्बर 2023 में बिहार में प्रवेश के बाद से मनीबॉक्स इक्वीटेबल मॉर्गेज (ईक्यूएम) एवं रजिस्टर्ड मॉर्गेज (आरएम) मोड्स के माध्यम से सुरक्षित लेंडिंग पर ध्यान केंद्रित कर रही है, जहां सभी ऋण वितरण रजिस्टर्ड टाइटल डॉक्यूमेन्ट्स के साथ किए जाते हैं। अपने इसी दृष्टिकोण के चलते कंपनी पोर्टफोलियो की गुणवत्ता बनाए रखने और क्षेत्र में ऋण को जिम्मेदारी के साथ सुलभ बनाने में सक्षम रही है। बिहार में मनीबॉक्स के उपभोक्ताओं की बात करें तो 90 फीसदी उपभोक्ता ट्रेडिंग सेगमेन्ट में आते हैं जिनमें किराना और अन्य लघु उद्यमी (पशुधन के अलावा) शामिल हैं। ये आंकड़े राज्य में उद्यमिता पर कंपनी के विशेष फोकस की पुष्टि करते हैं। अपने सतत दृष्टिकोण और सशक्त अंडरराइटिंग प्रक्रियाओं के चलते कंपनी ने समय के साथ पूरी तरह से सुरक्षित बुक तैयार कर ली है। इस उपलब्धि पर बात करते हुए श्री मयूर मोदी, सह-संस्थापक एवं को-सीईओ, मनीबॉक्स फाइनैंस लिमिटेड ने कहा, बिहार हमेशा से हमारे लिए महत्वपूर्ण मार्केट रहा है, हमें गर्व है कि हमने राज्य में 100 फीसदी सुरक्षित पोर्टफोलियो बना लिया है।

श्नाइडर इलेक्ट्रिक ने पटना में पेश किया खुदरा (रिटेल) अभियान, बिहार में वृद्धि की संभावनाओं का लाभ उठाने का लक्ष्य

मुंबई/पटना। ऊर्जा प्रबंधन और आधुनिक ऑटोमेशन के डिजिटल परिवर्तन के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अग्रणी, श्नाइडर इलेक्ट्रिक ने हाल ही में पटना में अपना राष्ट्रीय स्तर का रिटेल एक्टिवेशन अभियान (खुदरा कार्यक्रम) शुरू किया है। यह पहल, 'ब्रिंग होम द स्मार्ट' अभियान का हिस्सा है। इसका उद्देश्य है, गतिशील, ऑन-ग्राउंड एक्टिवेशन (रोचक कार्यक्रमों) के जरिये खुदरा विक्रेताओं और इलेक्ट्रीशियनों सहित विभिन्न हितधारकों के साथ जुड़ाव बढ़ाना। कंपनी खुदरा विक्रेताओं और इलेक्ट्रीशियनों के लिए आमने-सामने (लाइव) तथा संवाद परक उत्पाद प्रदर्शन और समर्पित शिक्षण सत्र आयोजित कर रही है, जिससे व्यावहारिक ज्ञान दिया जा सके और सामुदायिक स्तर पर गहरा जुड़ाव सुनिश्चित हो। श्नाइडर इलेक्ट्रिक इंडिया के मार्केटिंग (विपणन) उपाध्यक्ष, रजत अब्बी ने इस पहल पर अपनी टिप्पणी में कहा, खुदरा विक्रेता और इलेक्ट्रीशियन, श्नाइडर इलेक्ट्रिक ब्रांड के सबसे महत्वपूर्ण प्रतिनिधि हैं। इस देशव्यापी कार्यक्रम (एक्टिवेशन) के जरिये, हम एक ऐसा मंच तैयार कर रहे हैं जो न केवल हमारे उत्पाद संबंधी ताजा नवोन्मेष को प्रदर्शित करेगा, बल्कि हमारे साझेदार नेटवर्क के साथ गहरा जुड़ाव और स्थायी विश्वास भी स्थापित करेगा।

बोईसर में नवरात्रि के मौके पर ' नवरंग उत्सव 2025 का हुआ शुभारंभ

पालघर(उत्तरशक्ति)। शारदीय नवरात्रोत्सव के पावन पर्व की शुरूआत के साथ ही बोईसर पश्चिम के चित्रालय रोड स्थित सर्कस ग्राउंड में जिले का सबसे बड़ा गरबा महोत्सव ' बोईसरनवरंग उत्सव 2025 सोमवार 22 सितंबर 2025 को भव्यता के साथ प्रारंभ हुआ। उद्घाटन के पहले ही दिन इस गरबा महोत्सव में युवा वर्ग का उत्साह देखते ही बन रहा था। पारंपरिक परिधानों में सजे युवक-युवतियों ने जब माँ दुर्गा की आरती व गरबा-डांडिया की धुनों पर कदम थिरकाते दिखाई दिए।

इस आयोजन को विशाल पंडाल में लकड़ी का आकर्षक मंच (वुडन प्लेटफॉर्म), स्टेडियम जैसी बैठक व्यवस्था, अलग से फूड जोन तथा लाइव आर्केस्ट्रा की मनमोहक धुनों ने माहौल को और भी जीवंत बना दिया। आयोजन समिति के अनुसार पंडाल में एक साथ लगभग 500 प्रतिभागियों के गरबा खेलने की व्यवस्था की गई है ताकि लोग परंपरा और आधुनिकता का संगम अनुभव कर सकें। दर्शकों और प्रतिभागियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आयोजन स्थल पर मोबाइल प्रसाधन गृह, सीसीटीवी कैमरे, पर्याप्त पार्किंग और आपातकालीन चिकित्सा व्यवस्था जैसे सभी इंतजाम किए गए हैं।पहले ही दिन बोईसर के अलावा आसपास के क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में लोग उत्सव का आनंद लेने पहुँचे। आयोजन स्थल पर भक्तिमय गरबा, रंगीन परिधान और उल्लास की झलक देखते ही बन रही थी। इस अवसर पर आयोजन समिति के सभी पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित रहे।

द बर्गर कंपनी के पिको फॉर्मेट को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया

मुंबई। द बर्गर कंपनी (टीबीसी) ने अपने नवीनतम फॉर्मेट टीबीसी पिको की आधिकारिक शुरूआत की घोषणा की है। यह एक कॉम्पैक्ट लेकिन फुल-फ्लेवर आउटलेट मॉडल है, जिसे ब्रांड के सिग्नेचर स्वाद को और अधिक ग्राहकों तक पहुँचाने के लिए डिजाइन किया गया है। लॉन्च के तुरंत बाद से ही इस कांसेप्ट को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है और अब तक 10,000 से अधिक डायरेक्ट एक्सप्रेशन्स ऑफ इंटरेस्ट (ईओआई) दर्ज हो चुके हैं।

पिको को सबसे ज्यादा रिस्पॉन्स दिल्ली-एनसीआर से मिला है (1,000 से अधिक ईओआई मिले हैं), इसके बाद बेंगलुरु, अहमदाबाद, जयपुर और पूर्वी उत्तर प्रदेश से 500+ ईओआई दर्ज हुए हैं। यह शहरवार माँग टीबीसी के नए, हाई-पोटेंशियल मार्केट्स में विस्तार के प्रति मजबूत उत्साह को दशार्ती है। 5 अक्टूबर 2025 तक पहला टीबीसी पिको आउटलेट शुरू हो जाएगा। उसी महीने 5-7 और आउटलेट्स खुलने वाले हैं, जबकि 25+ आउटलेट्स फिट-आउट चरण में हैं और आने वाले हफ्तों में लॉन्च किए जाएंगे। अपनी परंपरा को बरकरार रखते हुए, हर पिको आउटलेट में टीबीसी मेन्यू के स्टार आकर्षण शामिल होंगे जैसे शाकाहारी बर्गर, चिकन ऑप्शन्स, फ्राइज, मंचीज, सैंडविच, मोमोज, पाई और बेवरेजेज। इस खास मेन्यू के जरिए ग्राहक घर के पास ही कॉम्पैक्ट फॉर्मेट में टीबीसी का पसंदीदा स्वाद और विविधता पा सकेंगे।

जीवनविद्या मिशन द्वारा व्यसनमुक्ति अभियान पर समाज प्रबोधन कार्यक्रम आयोजित

मुंबई (उत्तरशक्ति)। जीवनविद्या मिशन, ठाणे मुलुंड ज्ञानसाधना केंद्र एवं दिवा उपकेंद्र के संयुक्त तत्वावधान में रविवार, 21 सितंबर 2025 को आकांक्षा हॉल, बी. आर. नगर, दिवा (पू.) में व्यसनमुक्ति अभियान अंतर्गत समाज प्रबोधन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर सद्गुरु वामनराव पै के सतशिष्य अशोक खवले ने ह्यशरीर साक्षात परमेश्वर और व्यसनमुक्त भारतह्व विषय पर प्रेरक मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा कि जीवनविद्या मिशन के माध्यम से अब तक हजारों लोगों ने व्यसनमुक्त होकर अपने जीवन को सुखमय बनाया है। युवा पीढ़ी को व्यसन से दूर रहकर राष्ट्र और समाजनिर्माण कार्य में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। कार्यक्रम के दौरान लगभग 50 युवाओं और अन्य श्रोताओं ने व्यसनमुक्ति की शपथ ली और समाज के उत्थान में योगदान देने का संकल्प व्यक्त किया। इस आयोजन में करीब 300 लोगों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में पूर्व नगरसेवक अशोक पाटील, जीवनविद्या मिशन ठाणे-मुलुंड ज्ञानसाधना केंद्र के अध्यक्ष सुरेश परब, सचिव दिलीप इंपाल, खजिनदार अक्षय दलवी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जीएसटी में बदलाव आम लोगों को बचत उत्सव मनाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं

मोदी ने संकट को अवसर में बदला : कपिल पाटिल

आचार्य सूरजपाल यादव
भिवंडी (उत्तरशक्ति)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 15 अगस्त को की गई घोषणा के अनुसार जीएसटी की नई दरें आज नवरात्रि की शुरूआत के साथ लागू हो रही हैं। पूर्व केन्द्रीय मंत्री कपिल पाटिल ने कहा कि यह बचत उत्सव आम लोगों को दशहरा दिवाली के दौरान खरीददारी के लिए प्रोत्साहित करेगा। पाटिल ने मोदी सरकार के धन्यवाद स्वरूप जीएसटी का बोझ कम होने के अवसर पर भिवंडी में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि आज से 18 और 5 प्रतिशत जीएसटी प्रणाली लागू हो रही है जिसके तहत 376 वस्तुओं की कीमतें कम होंगी। इनमें आवश्यक वस्तुओं में टीवी, रेफ्रिजरेटर और कुछ कारें भी सस्ती हो जाएंगी। इससे गरीबों के साथ-साथ मध्यम और उच्च मध्यम वर्ग को भी फायदा होगा। अगर जीएसटी कम भी किया जाता है तो इसका अर्थव्यवस्था पर कोई असर नहीं पड़ेगा। इसके विपरीत, बाजार में वस्तुओं की कीमतों में कमी के कारण क्रय शक्ति बढ़ेगी जिससे राज्य और केंद्र सरकार के खजाने पर कोई बोझ नहीं पड़ेगा। विपक्ष शुरू से ही जीएसटी का विरोध कर रहा था लेकिन आज देश को जीएसटी के माध्यम से हर महीने 2.25 लाख करोड़ रुपये की आय केंद्र सरकार को मिल रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमेशा संकट को अवसर में बदलने में सफल रहे हैं उसके लिए उन्होंने स्वदेशी का नारा दिया है। सबसे पहले मोदी ने खादी वस्त्रों के उपयोग को प्रोत्साहित करने के बाद खादी की बिक्री में 30 प्रतिशत की वृद्धि हुई। स्वदेशी वस्तुओं को बढ़ावा देते समय इस बात पर जोर दिया गया कि वे विदेशी वस्तुओं से कैसे बेहतर होंगे ताकि भारत आत्मनिर्भर बने और स्वदेशी के माध्यम से प्रगति करे। अंत में कपिल पाटिल ने विश्वास व्यक्त किया कि नरेंद्र मोदी का विकसित देश बनाने का सपना जल्द ही साकार होगा। इस अवसर पर ठाणे जिलाध्यक्ष ग्रामीण जितेन्द्र डाकी, जिला संयोजक पी के म्हात्रे, मंडल अध्यक्ष निलेश गुरव आदि लोग उपस्थित थे।

कृषी उत्पन्न बाजार समिती में भर्ती प्रक्रिया में धांधली का आरोप

धांधली मामले में मयूर पाटील मुंबई हाई कोर्ट पहुंचे

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण कृषी उत्पन्न बाजार समिती में अवैध तरीके से (नोकरी) भर्ती किए जाने का आरोप शिवसेना शिंदे गुट के पूर्व नगरसेवक और बाजार समिति के पूर्व संचालक मयूर पाटिल ने किया है। इस संदर्भ में उन्होंने मुंबई उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल की है और 24 सितंबर को इस मामले की सुनवाई होने वाली है, ऐसी जानकारी भी मयूर पाटिल ने दी। इस बारे में बोलते हुए मयूर पाटिल ने कहा कि बाजार समिति की भर्ती प्रक्रिया में सभापति, संचालक मंडल और पूर्व सचिव के रिश्तेदारों और परिचित उम्मीदवारों को ही प्राथमिकता दी गई है। वहीं दो साल से कांट्रेक्ट पर काम करने वाले कमर्चारियों को भर्ती किया गया है। पाटिल ने कहा कि इस अवैध भर्ती प्रक्रिया का उन्होंने हमेशा से विरोध जताया है। पाटिल ने आरोप लगाया कि सभी नियमों और शर्तों की अनदेखी कर यह सीधी सेवा भर्ती की गई है। कल्याण कृषि उत्पन्न बाजार समिति में हुई इस धांधली के खिलाफ मयूर पाटिल ने मुंबई हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

बुधवार 24 सितंबर को इस मामले की कोर्ट में सुनवाई होनी है। अब देखना होगा कि अदालत में किसका पलड़ा भारी होगा।

इंटरनेशनल स्कूल स्पोर्ट्स ऑर्गनाइजेशन गेम्स 2025 में जयेश ट्रेनिंग क्लासेस की स्वर्णिम उपलब्धि

मुंबई (उत्तरशक्ति)। नीता अंबानी इंटरनेशनल स्कूल में 20 व 21 सितंबर को संपन्न हुए इंटरनेशनल स्कूल स्पोर्ट्स ऑर्गनाइजेशन गेम्स 2025 प्रतियोगिता में देशभर की 30 से 35 स्कूलों के 600 से अधिक खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस भव्य खेल महोत्सव में घाटकोपर के जयेश ट्रेनिंग क्लासेस के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्णिम सफलता अर्जित की। अकादमी के प्रमुख, अंतरराष्ट्रीय रेफरी एवं प्रशिक्षक जयेश वेल्हाळ के मार्गदर्शन में खिलाड़ियों ने क्यूरोगी और पूमसे दोनों प्रकारों में उल्लेखनीय सफलता हासिल की। क्यूरोगी प्रकार में : 11 स्वर्ण, 9 रजत, 2 कांस्य पूमसे प्रकार में : 5 स्वर्ण, 3 रजत, 4 कांस्य इस प्रकार जयेश ट्रेनिंग क्लासेस ने कुल 16 स्वर्ण, 12 रजत और 6 कांस्य पदक जीतकर अपना दबदबा सिद्ध किया। शानदार सफलता के बाद जयेश वेल्हाळ ने सभी पदक विजेताओं की प्रशंसा करते हुए कहा कि, खिलाड़ियों की निष्ठा, परिश्रम तथा प्रशिक्षकों के अथक प्रयास ही इस सफलता की असली नींव हैं। इस स्वर्णिम उपलब्धि में कोच निशांत शिंदे, यश दलवी, चंदन परिदा, प्रणय मुल्की, अमित यादव, कृपेश रांक्षेत्रे, स्वप्नील शिंदे और फ्रैंक कनाडिया के अथक प्रयासों का विशेष उल्लेख किया गया।

भारतीय प्लास्टिक उद्योग 2030 तक 44.59 बिलियन यूएस डॉलर तक तक पहुँचने का अनुमान

मुंबई (उत्तरशक्ति)। भारत के प्लास्टिक उद्योग बाजार का वर्तमान मूल्य 2025 में 26.61 बिलियन अमेरिकी डॉलर है और 2030 तक इसके 44.59 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँचने का अनुमान है, जो 10.88% की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर है। इसी प्रकार प्लास्टिक निर्यात वित्त वर्ष 2024-25 के 12.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2027 तक 25 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँचने की पूरी संभावना है।

प्लास्टइंडिया फाउंडेशन के अध्यक्ष श्री रवीश कामथ ने प्लास्टइंडिया 2026 अभियान के शुभारंभ समारोह में बोलते हुए कहा, यह वृद्धि बड़े पैमाने पर बुनियादी ढाँचा कार्यक्रमों और पैकेजिंग, ऑटोमोटिव, निर्माण और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्रों में उपभोक्ता माँग में तेजी जैसे क्षेत्रों से प्रेरित है। ई-कॉमर्स विस्तार द्वारा संचालित पैकेजिंग, जिसकी बाजार में 42% की मजबूत हिस्सेदारी है, समकालीन वाणिज्य में प्लास्टिक उद्योग की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है। पश्चिमी भारत उपभोग का केंद्र बना हुआ है, जिसे गुजरात और महाराष्ट्र के घने पेट्रोकेमिकल क्लस्टरों से बल मिलता है।

प्लास्टिक से जुड़े प्रमुख संघों, संगठनों और संस्थानों की एक शीर्ष संस्था, प्लास्टइंडिया फाउंडेशन द्वारा आयोजित प्लास्टइंडिया 2026 अभियान का शुभारंभ दिल्ली की मुख्यमंत्री सुश्री रेखा गुप्ता ने किया।

श्री कामथ ने आगे कहा कि, निर्यात हमारे उद्योग की मजबूती का एक महत्वपूर्ण संकेतक है। भारत का प्लास्टिक निर्यात 2025 की शुरूआत में लगभग 10.34 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँच जाएगा, जिसमें प्लास्टिक फिल्म, औद्योगिक पुर्जे और विशेष पॉलिमर सहित उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है। यह भारतीय प्लास्टिक की मजबूत वैश्विक माँग और हमारी विनिर्माण क्षमता को दशार्ता है। उत्तर भारत, विशेष रूप से दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र, इस उद्योग का एक महत्वपूर्ण केंद्र है। भारत की प्लास्टिक खपत में इस क्षेत्र का लगभग 23% योगदान है। प्लास्टइंडिया 2026 की राष्ट्रीय कार्यकारी समिति के अध्यक्ष श्री आलोक टिबरेवाला ने कहा, प्लास्टइंडिया 2026 एक शून्य-अपशिष्ट प्रदर्शनी है, जिसमें हम एक आधुनिक, ज़िम्मेदार और विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी भारतीय प्लास्टिक उद्योग का प्रदर्शन करेंगे, जो हमारे प्रधानमंत्री के स्वच्छ भारत मिशन के साथ पूरी तरह से सरेखित है। यह प्रदर्शनी नवाचार, स्थिरता और डिजिटल परिवर्तन पर केंद्रित एक वैश्विक नेता के रूप में भारत के उदय को प्रदर्शित करेगी। श्री टिबरेवाला ने आगे बताया कि ₹भारत का प्लास्टिक उद्योग बुनियादी ढाँचे, आवास और डिजिटल क्षेत्रों में तेजी से हो रहे विकास के कारण एक महत्वपूर्ण परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। जैसे-जैसे अर्थव्यवस्था का विस्तार हो रहा है और डिजिटल इंडिया जैसी पहल गति पकड़ रही है, प्लास्टिक के अंतरिक्ष, अर्धचालक और रक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की उम्मीद है। फरवरी 2026 में दिल्ली में आयोजित होने वाले प्लास्टइंडिया 2026 को एक वैश्विक मानक के रूप में स्थापित किया जा रहा है, जो प्लास्टिक निर्माण में अग्रणी के रूप में भारत की क्षमताओं और आकांक्षाओं को प्रदर्शित करेगा।

राष्ट्रीय हिन्दू सेवा संघ ने किया गौसेवा व मानव सेवा एम्बुलेंस का शुभारंभ

पालघर(उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय हिन्दू सेवा संघ के सामाजिक सरोकारों से जुड़े एक अनोखे उपक्रम के तहत आज गौमाता की सेवा एवं मानव सेवा हेतु दो एम्बुलेंस सेवाओं का शुभारम्भ किया गया। यह शुभ अवसर सम्राट होटल चित्रालय के सामने आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम की शुरूआत संघ की महिला मंडल प्रमुख पुष्पा तिवारी द्वारा आरती एवं पूजा-अर्चना से की गई। इसके उपरांत सूयार्कुमार मिश्रा, अशोक श्रीवास्तव, परेश राउत एवं परशुराम पाटिल ने संयुक्त रूप से फीता काटकर एम्बुलेंस सेवा का उद्घाटन किया। पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार उपस्थित मान्यवरों द्वारा श्रीफल फोड़कर दोनों एम्बुलेंसों का शुभारम्भ किया गया। संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि गौसेवा एम्बुलेंस के माध्यम से बीमार एवं दुर्घटनाग्रस्त गौमाताओं को तुरंत उपचार हेतु पहुँचाया जाएगा। वहीं मानव सेवा एम्बुलेंस आम जनता को आपातकालीन स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगी। इस अवसर पर संघ के ललित माली, शिवशंकर तिवारी, रोहित सिंह, लक्ष्मण बेदाडे, आदेश श्रीवास्तव, विनोद शर्मा, जिलेदार वर्मा, राजू सिंह, देवेंद्र सिंह, आर्यन सिंह, सुनीता सकपाल, मीना बोरसे, चांदनी सिंह, अभिनव चौधरी, अमर सावंत, सचिन पाटील, महेश संखे, शेखर तिवारी सहित अनेक पदाधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता व पत्रकार रामप्रकाश निराला, बी.एन. शुक्ला व पंकज गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

पंडालों में विराजमान होने लगीं माँ दुर्गा की प्रतिमाएं

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। नवरात्रि और दुर्गा पूजा उत्सव की आहट ने पूरे जनपद को भक्ति और उल्लास से सराबोर कर दिया है। शहर से लेकर ग्रामीण अंचल तक माँ दुर्गा के स्वागत की तैयारी पूरी हो चुकी है। जगह-जगह पंडालों में प्रतिमाएँ पहुँचने लगी हैं और भक्तों के जयकारों से वातावरण गूंज रहा है। शहर जौनपुर के साथ-साथ मछलीशहर, बदलापुर, केराकत, शाहगंज, मड़ियाहूं, केराकत, जलालपुर, मुँगराबादशाहपुर, खेतासराय और केराकत जैसी तहसीलों व प्रमुख कस्बों में समितियों ने महीनों पहले से ही पंडाल निर्माण शुरू कर दिया था। अब वे रंग-बिरंगी झालरों, बिजली की रोशनियों और फूलों की सजावट से जगमगाने लगे हैं।

मूर्ति स्थापना की रौनक: गाँव-गाँव में जब ट्रैक्टर-ट्रॉलियों और पिकअप वाहनों पर सजी-धजी माँ दुर्गा की प्रतिमाएँ पहुँचती हैं तो ढोल-नगाड़ों और भजन-कीर्तन के बीच भक्तों का उत्साह देखते ही बनता है। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक हर कोई इस दृश्य को देखने उमड़ पड़ता है। मूर्तिकारों की कला का अनूठा नमूना मिट्टी और प्लास्टर से तैयार प्रतिमाओं में देखने को मिल रहा है।

उत्सवमय माहौल में डूबा जनपद

कारीगरों की मेहनत का प्रतिफल: खेतासराय कस्बे के मूर्तिकार उत्तम पल बताते हैं कि नवरात्रि से ठीक एक दिन पहले समितियों द्वारा मूर्तियों को पंडाल तक ले जाने का सिलसिला शुरू हो जाता है, जो देर रात तक चलता रहता है। सप्तमी तक सभी पंडाल प्रतिमाओं से सुसज्जित हो जाते हैं।

भक्ति और उत्सव का संगम: जैसे ही प्रतिमाएँ पंडालों में विराजमान होती हैं, पूरे गाँव-कस्बे का वातावरण भक्तिमय हो जाता है। महिलाएँ मंगलगीत गाती हैं, बच्चे झाँकियों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तैयारियों में जुट जाते हैं। श्रद्धालु मानते हैं कि प्रतिमाओं का आगमन ही नवरात्रि की असली शुरूआत है।

प्रशासन की तैयारी: त्योहार को देखते हुए प्रशासनिक स्तर पर सुरक्षा और स्वच्छता की विशेष व्यवस्थाएँ की गई हैं। पंडाल समितियों को अग्निशमन यंत्र, प्राथमिक चिकित्सा और यातायात व्यवस्था पर ध्यान देने के निर्देश दिए गए हैं।

भक्ति से सराबोर जनपद: चाहे मछलीशहर की गलियाँ हों, बदलापुर का बाजार, शाहगंज का व्यस्त चौराहा, मड़ियाहूं का पुराना पंडाल, केराकत का भव्य मैदान या खेतासराय और जलालपुर की रंगीन सड़कों– हर जगह माँ दुर्गा की भक्ति की गूँज सुनाई दे रही है। ॒जय माता दी॒ के नारों से वातावरण पवित्र हो उठा है और श्रद्धालु देवी माँ की आराधना में लीन हैं।

समाजसेवी सुभाष चंद्र यादव के दूसरे पुण्यतिथि पर मेगा निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का किया गया आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद जौनपुर के राजबहादुर पीजी कॉलेज गुलालपुर में समाजसेवी स्व. सुभाष चंद्र यादव की दूसरी पुण्यतिथि पर मेगा स्वास्थ्य शिविर का निशुल्क आयोजन उनके पुत्र हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉक्टर आलोक यादव द्वारा आयोजित किया गया। इस शिविर में हर प्रकार के रोगों के स्पेशलिस्ट डॉक्टर उपस्थित रहे । और बी पी ,शुगर, हार्ट, ऑक्सीजन, का जांच व निशुल्क दवा वितरण भी किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य आयोजक डॉक्टर आलोक यादव हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ दुर्गा सिटी हॉस्पिटल नईगंज द्वारा बताया गया की समाज में गंभीर बीमारियां लोगों को अपने गिरफ्त में लेती जा रही हैं। बहुत परिवार ऐसे हैं जो साधन की असुविधा और पैसों की तंगी की वजह से सही समय पर सही इलाज न कर पाने से अपनी जान गवा दे रहे हैं। इस स्थिति को देखते हुए हमारे द्वारा वर्ष में कई अवसरों पर जगह-जगह स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाता है। और आज पिताजी की दूसरी पुण्यतिथि पर यह आयोजन प्रतिवर्ष होता रहेगा, विगत 20 सितंबर को पिताजी के जन्मदिन के अवसर पर रक्तदान शिविर लगाया गया। उस शिविर में जितने भी रक्त प्राप्त हुए हैं। जरूरतमंदों को निशुल्क मुहैया कराया जाएगा । और इस सिलसिले में वहां उपस्थित डॉक्टर आदित्य कुमार कैंसर रोग विशेषज्ञ व सर्जन द्वारा बताया गया की कैंसर आज समाज में एक भयंकर समस्या बनकर सामने आ गई है। कैंसर से बचाव के लिए हर व्यक्ति को अपने खान-पान पर नियंत्रण शराब सिगरेट गुटका तंबाकू पर पूर्ण रूप से नियंत्रित होकर कैंसर जैसे रोग को हराया जा सकता है। इनके द्वारा बताया गया कि यदि प्रारंभिक स्थिति में सही उपचार प्राप्त हो जाए तो कैंसर ठीक भी हो सकता है। इस

अवसर पर उनकी बहू डॉक्टर स्वाती यादव रेडियो डायग्नोसिस ने कहा सही इलाज तभी संभव है जब सही जांच हो पाए आज यहां पर जांच और निशुल्क दवा वितरण की व्यवस्था की गई है। बहुत से लोग साधन की असुविधा से कुछ बुजुर्ग लोग और कुछ पैसे की वजह से जौनपुर नही पहुंच पाते हैं । और सही समय पर सही इलाज नहीं मिल पाता ऐसे लोगों के सहयोग के लिए आज यहां पर मेगा निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया है। डॉ.अरुण आर सिंह जनरल सर्जन द्वारा बताया गया कि सबसे बड़ी समस्या आज के समय में खान-पान बनकर सामने आई है। तली हुई चीज लीवर के लिए बहुत ही खतरनाक साबित हो रही है। यदि पेट गड़बड़ हुआ तो शरीर में अनेकों बीमारियां पैदा हो जाती हैं। और व्यक्ति हॉस्पिटल के चक्कर काटते हुए परेशान हो जाता है। इससे बचाव के लिए जहर के समान तली हुई चीज का सेवन करने से अधिक से अधिक बचे, डॉ. वी.के.यादव स्किन स्पेशलिस्ट, द्वारा बताया गया की डॉ आलोक यादव के परिवार का एक इतिहास रहा है। कि इनका पूरा परिवार समाज सेवा में सदैव बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते आ रहे हैं। उसी कड़ी में विवेक यादव समाजसेवी डॉ.आलोक यादव भी समय-समय पर स्वास्थ्य शिविर का आयोजन करके समाज सेवा करते रहते हैं। और हम लोगों को भी यह अवसर प्राप्त होता है। यदि कोई व्यक्ति जौनपुर नहीं पहुंच पाता है। बेहतर इलाज के लिए तो ऐसे अवसर पर वह अपनी समस्या का समाधान पा सकता है। इस अवसर पर मुख्य रूप से डॉक्टर राहुल श्रीवास्तव न्यूरो रोग विशेषज्ञ सर्जन, डॉ.बृजेश कनौजिया नाक, कान, गला रोग विशेषज्ञ, डॉ. वीरेंद्र यादव नेत्र रोग विशेषज्ञ, डॉक्टर ममता यादव स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ, डॉक्टर नरेंद्र यादव मुख एवं दंत रोग विशेषज्ञ, डॉ.सतीश यादव ॒जनरल फिजिशियन आदि लोग उपस्थित रहे।

प्रशासन ड्रोन व सीसीटीवी कैमरे से कराएगी मेले की निगरानी: सीओ

चौकियों पर अश्लील गीत व नृत्य पर रहेगा प्रतिबंध

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुंगराबादशाहपुर सिटी पब्लिक स्कूल के प्रांगण में भरत मिलाप एवं रोशनी मेला महासमिति के तत्वाधान में दलों व चौकियों के पदाधिकारियों की एक बैठक संरक्षक पशुपतिनाथ मुन्ना की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में सीओ प्रतिमा वर्मा ने कहा कि मेले में पुलिस प्रशासन का पुख्ता इंतजाम होगा और ड्रोन व सीसीटीवी कैमरे की मदद से मेले की निगरानी की जाएगी। उन्होंने कहा कि सुरक्षा व्यवस्था हमारी प्राथमिकता है और शरारती तत्वों को बख्शा नहीं जाएगा।

सीओ प्रतिमा वर्मा ने सभी चौकियों और दलों पर अग्निशमन यंत्र, पानी और बालू की व्यवस्था करने का निर्देश दिया और वालंटियर की तैनाती करने को कहा। थानाध्यक्ष के के सिंह ने कहा कि मेले के दौरान हर दल और चौकी पर सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। बैठक में सीओ प्रतिमा वर्मा, थानाध्यक्ष के के सिंह, मेला महासमिति के अध्यक्ष आलोक कुमार गुप्ता (पिंटू), ब्लॉक प्रमुख सतेन्द्र सिंह फंटू और चौकी इंचार्ज गंगा प्रसाद मिश्रा समेत सैकड़ों लोगों की उपस्थिति में भरत मिलाप 8 व 9 अक्टूबर को मनाने का निर्णय लिया गया।बैठक में भगवान की अश्लील नृत्य व गीत न होने, चौकिया को निकलने से पहले भगवान श्री राम दरबार की अद्भुत झांकी निकालने, चौकिया को निर्धारित समय से दो घंटा पूर्व निकालने, व दलों के गेटों की चौड़ाई व उंचाई तथा डीजे की साइज व निर्धारित मानक पर विस्तार से चर्चा हुई।अध्यक्ष आलोक गुप्ता (पिंटू) ने कहा कि चौकियों पर भगवान के अश्लील नित्य व गीत पूरी तरीके से प्रतिबंध रहेंगे और नई बाजार महाकाल दल से निकलने वाली चौकियों को समय का ध्यान रखने की हिदायत दी गई, अन्यथा उन्हें 2 वर्षों के लिए प्रतिबंधित कर दिया जाएगा।

कार्यक्रम का संचालन महामंत्री रंजीत गुप्ता ने किया। इस अवसर पर सर्ववैश्य समाज अध्यक्ष राजकुमार नेता, सलाहकार इंजीनियर उमाशंकर गुप्ता, व्यापार मंडल अध्यक्ष आलोक गुप्ता, जगदंबा जायसवाल, राजीव गुप्ता, विशंभर दुबे, रामनारायण साहू, लव कुश दल अध्यक्ष मनोज ऊमरवैश्य, राजकुमार जायसवाल, शंकर दल अध्यक्ष विजय गुप्ता, महाकाल दल चंद्रशेखर तिवारी, शिव शक्ति दल जयप्रकाश, सौरभ जायसवाल, राजू दुबे, रोहन गुप्ता, विपिन गुप्ता, प्रियेश जायसवाल, सचिन केसरवानी, गोविंद जायसवाल, पवन गुप्ता, विशाल साहू, अनुज श्रीवास्तव, विनोद चौरसिया, शंकर लाल केशरवानी, गोपाल केसरी, अनिल कुमार, मनोज चौरसिया, जयप्रकाश मिश्रा, दीपक शर्मा, रवि दुबे, संदीप कसेरा, राजेश, पिंटू सिंह, अभिषेक शुक्ला, उदय प्रताप सिंह, विनय सिंह, राजन सिंह, नागेंद्र प्रसाद, माघवेंद्र सिंह, मनोज गुप्ता, शिव प्रसाद व सुरेश सोनी समेत दलों के पदाधिकारी मौजूद रहे।

केराकत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के मुख्य प्रवेश द्वार के सामने और अन्दर जलजमाव से परेशानी

अस्पताल परिसर में आस पास घांस पूस से आच्छादित होने से लगा गंदगियों का अम्बार, जिम्मेदार बने मौन तो आखिर सुने कौन

गुड़िया बिन्द

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लोगों को स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराने वाले स्वास्थ्य केंद्र के मुख्य द्वार और प्रवेश द्वार पर भारी गड्ढे होने से जल जमाव के चलते नारकीय दृश्य उत्पन्न हो गया है। काफी लम्बे समय से केराकत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के मुख्य प्रवेश द्वार के सामने और अन्दर जल जमाव से पूरी तरह से नारकीय दृश्य उत्पन्न हो गया है। ऐसी स्थिति में अपने इलाज के लिए प्रतिदिन अस्पताल आने व जाने वाले मरीजों और उनके तीमार दारों को उसी कीचड़ भरे गन्दे जलसे होकर गुजरना पड़ता है। सबसे ज्यादा कठिन स्थिति से अस्पताल अपने इलाज के लिए आई प्रसूता महिलाओं को गुजरना पड़ता है। गन्दे वर्षों के जल जमाव से उत्पन्न कीचड़ में जानें अबतक कितने लोग फिसल कर गिरने से चोटहिल हो चुके हैं। इसी के साथ अस्पताल परिसर में आस पास घांस पूस से आच्छादित होने से गंदगियों का अम्बार लगा हुआ है। इसके बावजूद अस्पताल के जिम्मेदार अधिकारी अपनी आंखें मूंदे हुए हैं। अधिकारी कर्मचारी आवास के आस पास उगे घांस पूस से पूरा अस्पताल परिसर गंदगियों से आच्छादित हो रहा है।

जिलाधिकारी ने कम्पोजिट विद्यालय का निरीक्षण कर आईसीटी लैब का किया उद्घाटन

शारदीय नवरात्र पर छात्राओं में फल का हुआ वितरण

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सोमवार की दोपहर क्षेत्र के सबरहद स्थित कंपोजिट विद्यालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण में लाईब्रेरी, कम्प्यूटर लैब, विद्यालय में साफ सफाई आदि का बारीकी से देखा। जिससे वह सन्तुष्ट नजर आते दिखे। ततपश्चात विद्यालय में आई सी टी(इनफार्मेशन एण्ड कम्युनिकेशन लैब)का उद्घाटन भी किया। उसके बाद विद्यालय के छात्र छात्राओं में शारदीय नवरात्र के अवसर पर फल का वितरण किया। वितरण के दौरान डीएम डॉक्टर दिनेश चंद्र ने बच्चों से कुछ सवाल भी पूछे जिसे बच्चों ने बहुत बेबाकी से जवाब दिया। जिससे वह खुश नजर आए। वहीं विद्यालय के प्रिंसिपल अशोक सोनकर ने विद्यालय में शिक्षकों की संख्या और नए कक्ष बढाने की मांग डीएम से की जिसपर डीएम ने आश्वाशन देते हुए विचार करने की बात कही। बताते चले कम्पोजिट विद्यालय सबरहद का शुमार जनपद के टॉप स्कूलों में होता है। यहां लगभग 650 छात्र छात्राएं अध्ययनरत हैं। निरीक्षण के दौरान जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी गोरखनाथ पटेल, ग्राम प्रधान मुकेश राजभर, गयासुद्दीन खान सहित अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

वोट चोरी के मुद्दे पर युवा कांग्रेस हुई आक्रोशित

जौनपुर में वोट चोरी के खिलाफ युवा कांग्रेस ने शुरू किया हस्ताक्षर अभियान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। आज शहर मुख्यालय स्थित दीवानी तिराहा में कैंप लगाकर युवा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष संदीप सोनकर के नेतृत्व में लोकतंत्र की रक्षा और वोट चोरी के खिलाफ एक विशाल हस्ताक्षर अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान का उद्देश्य मतदाताओं मे जागरूकता को बढ़ावा देना और निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग को बल देना था। अभियान में बड़ी संख्या में युवाओं, स्थानीय नागरिकों और कांग्रेस कार्यकताओं ने हिस्सा लिया। श्री संदीप सोनकर ने इस अवसर पर कहा कि ॒मतदान लोकतंत्र की आत्मा है, और इसे चोरी होने से बचाना हम सभी का कर्तव्य है। हमारी यह मुहिम जन-जन तक पहुंचेगी और लोकतंत्र को मजबूत करेगी। हस्ताक्षर अभियान के दौरान लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और वोट चोरी के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद की। युवा कांग्रेस ने इस अभियान को जिले के अन्य हिस्सों में भी विस्तार देने की योजना बनाई है ताकि अधिक से अधिक लोग इस मुहिम से जुड़ सकें। इस अवसर पर पूर्व शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष विशाल सिंह हुकुम, पूर्व कार्यवाहक अध्यक्ष अजय सोनकर, पूर्व जिला उपाध्यक्ष राकेश उपाध्याय, सुरेंद्र वीर विक्रम सिंह,प्रदेश महासचिव एनएसयूआई आदिल शेख, जिला उपाध्यक्ष साद खान विधानसभा अध्यक्ष दिलीप यादव, रत्नेश यादव, अली हैदर, मानिक प्रजापति, साहिल, सतेंद्र गौतम, गणेश सोनकर, देवांश द्विवेदी, समीर आदि मौजूद रहे।

गौशाला में लापरवाही से चार गायों की मौत, जांच शुरू

रामपुर,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। रामपुर विकासखंड के पचुरुखी गांव स्थित गौशाला में लापरवाही के चलते गोवंशों की मौत का मामला सामने आया है। रविवार को विश्व हिन्दू परिषद के प्रखंड अध्यक्ष राहुल दुबे व गौ रक्षा प्रमुख और अन्य संगठनों की शिकायत पर पहुंची टीम ने देखा कि गौशाला में चार गाय मृत पड़ी हुई थीं, जबकि एक अधमरी गाय को कुत्ते और कौवे नोच रहे थे।

गौशाला में कुल 190 गायों का पंजीकरण है, लेकिन चारे की कमी और देखरेख की लापरवाही के कारण गोवंशों की हालत खराब बताई जा रही है। सूचना मिलने पर प्रशासन हरकत में आया और मौके पर पहुंचकर मृत गायों को कब्जे में लेकर दफनाने की तैयारी की गई। वहीं अधमरी गाय का इलाज पशु चिकित्सकों द्वारा कराया जा रहा है। खंड विकास अधिकारी अभिनव सरोज ने बताया कि गौशाला में मृत गायों की संख्या चार है और उन्हें दफनाने की कार्यवाही की जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि वीडियो में दिख रही कुछ गायें बाहरी लोगों द्वारा मैदान में फेंकी गई हो सकती हैं। फिर भी गौशाला में गायों की मौत के कारणों की जांच की जा रही है।

इस मामले में उपजिलाधिकारी मड़ियाहू नवीन कुमार श्रीवास्तव, क्षेत्राधिकारी मड़ियाहू गिरेंद्र कुमार सिंह, पशु चिकित्सक व पुलिस बल मौके पर पहुंचे और जांच-पड़ताल की। गौशाला की स्थिति सुधारने के लिए चारे की आपूर्ति की गई है तथा आगे की कार्यवाही सुनिश्चित की जा रही है।

विधायक ने अधिकारियों को लगाई फटकार

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। गत दिनों जमीन विवाद को लेकर पत्थर बाजी और मारपीट हुई थी। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हुआ था। उसी मामले को लेकर अपना दल कमेंरावादी पार्टी व सिराथू की विधायक पल्लवी पटेल लाइन बाजार थाना क्षेत्र के जगदीशपट्टी पहुंचीं। यहां उन्होंने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर उनका पक्ष जाना। इसके बाद उन्होंने लाइन बाजार के एसओ और तहसीलदार को तलब कर फटकार लगाई। विधायक ने जब सवाल किया कि तहरीर में जमीन कब्जे का जिक्र है तो सिर्फ शांति भंग की धाराएं ही क्यों लगाई गईं।उन्होंने पुलिस प्रशासन से पूछा कि आखिर कोई 200 लोगों की भीड़ के साथ दीवार कैसे खड़ी कर सकता है और पथराव कर सकता है। इसी दौरान विधायक ने एसपी जौनपुर को फोन किया। एसपी के व्यस्त होने की बात कहे जाने पर उन्होंने सख्त तेवर दिखाते हुए चेतावनी दी कि 5 मिनट में कॉल करें, नहीं तो मैं आवास पहुंच जाऊंगी। बाद में एसपी ने फोन कर विधायक से बातचीत की, विधायक पल्लवी पटेल ने मीडिया से कहा, ॒भाजपा सरकार में लूट-खसोट मची हुई है। सब कुछ सिर्फ कागजों पर है, जमीन पर हकीकत इसके उलट है। प्रशासन और पुलिस बेलगाम हो चुकी है। भू-माफिया कुकुरमुत्ता की तरह फैल गए हैं।

श्री देव दीपावली समिति का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जनपद के पुरानी बाजार मोहल्ले में श्री देव दीपावली समिति गोकुल घाट के तत्वाधान में 17वां शपथ ग्रहण एवं सम्मान समारोह बीते दिन संपन्न हुआ। बता दे, कार्यक्रम की शुरूआत श्री गणेश वंदना के साथ हुई साथ ही बच्चों ने रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति भी की, व कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों का सम्मान किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से समिति के साथ जुड़े सभी सदस्यों को शपथ दिलाई गई। वही, इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि डॉ रामसूरत मौर्य, कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ सुभाष सिंह, विशिष्ट अतिथि डॉ अंजना सिंह ने समिति के उज्जवल भविष्य की कामना की। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से समिति के संस्थापक आनंद कुमार मिश्रा, अध्यक्ष दिनेश कुमार गुप्ता, कोषाध्यक्ष सुरेश चंद्र गुप्ता, महामंत्री डॉ मनीष कुमार गुप्ता सहित अन्य लोगों मौके पर मौजूद रहे।

जौनपुर की बहू गायिका गीतांजली मौर्या नवरात्रि में विदेश में बिखेरेंगी अपनी आवाज का जलवा

जलालपुर,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिले की सुप्रसिद्ध भजन गायिका गीतांजली मौर्या का त्रिलोचन बाजार में जोर दार स्वागत हुआ।श्रीमती मौर्या ने पत्रकार वार्ता में बताया कि वो यहां क्षेत्रिय कलाकार चन्दन सेठ से मिलने और बाबा भोले नाथ का दर्शन करने के लिए रूके थे।श्रीमती मौर्या ने बताया कि उनका नवरात्रि में देवी जागरण का कार्यक्रम थाईलैण्ड की राजधानी बैंकाक में होना है और बाबतपुर एयरपोर्ट से छः बजे शाम आज की प्लाइट से बैंकाक जायेंगे।श्रीमती मौर्या ने बताया वो जौनपुर जिले के थाना सुरेरी क्षेत्र के पट्टीकीरत राय(सुल्तानपुर)ग्राम निवासी अशोक कुमार मौर्य की बहू है। उन्होने बताया वो भजन गायिका व संगीत की शिक्षिका है और पिछले बीस वर्षों से संगीत के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बना चुकी हैं और वह बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी से संगीत की शिक्षा लेने के बाद देश विदेशों में अपनी प्रस्तुतियां दे चुकी हैं।उनका कहना है कि अपने गुरूओं अपने माता-पिता और श्रोताओं के आशीर्वाद से यह सब कुछ संभव हो पाया है। इनके प्रमुख भजन तुझे लाल लाल जोड़ा पहनाऊं, रूनुक झुनुक जगदंबा मैया आएंगी, अईली सातो बहिनिया, मां को पहनादी चुनरिया जयपुर वाली, मां की सान निराली इत्यादि भजन मां के पण्डालो में धूम मचाया है। इस अवसर पर अभिनेता व समाजसेवी चन्दन सेठ ने माल्यार्पण व अंग वस्त्रम देकर विदा किया। इस अवसर पर ई.विनय कुमार मौर्य, सुषमा सेठ, दिनेश चन्द श्रीवास्तव, राज यादव, टिन्कु गिरि, संगम जायसवाल, गणेश यादव, श्रवण दुबे इत्यादि लोग मौजूद रहे।

मानवता की सेवा के लिए समर्पित रहा अघोरेश्वर महाप्रभु का जीवन: हृदय प्रसाद

धूमधाम से मनाया गया श्री सर्वेश्वरी समूह संस्थान का 65 वां स्थापना

सुइथाकला,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। श्री सर्वेश्वरी समूह संस्थान का 65 वां स्थापना दिवस शाखा समोधपुर परिसर में रविवार को धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। ध्वजारोहण के बाद सफल योनि ग्रंथ का पाठ एवं एक पारिवारिक गोष्ठी आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रातः संस्थान के सदस्यों ने प्रभात फेरी निकाली जो आश्रम परिसर से जमौली, ऊँचगाँव, शाहमऊ, भेला से समोधपुर होते हुए आश्रम परिसर में पुनः पहुंची। शाखा के उपाध्यक्ष एवं गांधी स्मारक विद्यालय संकुल के प्रबंधक हृदय प्रसाद सिंह 'रानू' ने कहा कि सर्वेश्वरी समूह संस्थान एक आध्यात्मिक, सामाजिक, अराजनैतिक और गैर सरकारी संगठन है। उन्होंने कहा कि यह संस्थान मानवता की सेवा के लिए पूर्ण रूप से समर्पित है। कहा कि अघोरेश्वर महाप्रभु का जीवन दीन-दुखियों और गरीबों की सेवा के प्रति समर्पित रहा। यह समूह किसी जाति, वर्ण, वर्ग, धर्म और संप्रदाय विशेष पर आधारित नहीं है। कोषाध्यक्ष, पूर्व प्रधानाचार्य, स्काउट गाइड के जिला मुख्य आयुक्त डॉ. रणजीत सिंह ने कहा कि अवधूत भगवान राम का मूल मंत्र मानव को मानव बनाना था। उन्होंने बताया कि उनकी मूल शिक्षा ईश्वर एवं मानवता की सेवा के प्रति सच्ची श्रद्धा एवं समर्पण भाव है। मौके पर प्रोफेसर अरविंद कुमार सिंह, श्री कृष्ण पाल सिंह, सतीश सिंह वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष प्रा.शि.संघ, पद्म भूषण सिंह, राजेश प्रताप सिंह प्राचार्य, जितेंद्र बहादुर सिंह बबलू, रविंद्र उपाध्याय आदि मौजूद रहे।

देवी धाम बसौली में 3000 श्रद्धालुओं ने माता रानी के चौखट पर टेका मत्था

सुइथाकला,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के पश्चिमांचल में स्थित क्षेत्र के लोगों के लिए अटूट आस्था, श्रद्धा एवं भक्ति का केंद्र देवी धाम बसौली में शारदीय नवरात्रि के पहले दिन 3000 श्रद्धालुओं ने मां के दरबार में मत्था टेका। मंदिर में दर्शन के लिए आए माता रानी के भक्तों में भक्ति का एक अलग उत्साह एवं उल्लास दिखा। मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित रमेश तिवारी ने बताया कि नवरात्रि का प्रथम दिन मां शैलपुत्री को समर्पित होता है। उन्होंने बताया कि मां के इस स्वरूप की उपासना करने पर शुभ फल प्राप्त होते हैं। इस दिन कलश की स्थापना भी होती है। बताया कि यह मंदिर 14 कोस में विख्यात है। करीब 250 वर्ष प्राचीन मंदिर दिव्य और अलौकिक रहस्यों से भरा हुआ है। चैत्र नवरात्रि में करीब 50 किमी दूर से श्रद्धालु दर्शन करने के लिए आते हैं। इसके अलावा मंदिर सुल्तानपुर की सीमा से सटा हुआ है जिससे जौनपुर के समीपवर्ती जनपद सुल्तानपुर, प्रतापगढ़, अंबेडकर नगर व आजमगढ़ आदि जिलों के लोगों की भी आस्था जुडी हुई है।

सम्पत्ति के लिए घर में घुसकर हमला, लगाई गुहार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बरसठी थाना क्षेत्र से एक शर्मनाक घटना सामने आई है। मायके की जमीन के लालच में हिना मौर्या पर उसकी ननदों और उनके पतियों ने जानलेवा हमला किया। घटना का वीडियो वायरल हो चुका है और पूरे इलाके में इसे लेकर भारी आक्रोश है। पीड़िता हिना ने बताया कि उसकी ननदें कंचन मौर्या और रीता मौर्या, अपने पतियों के साथ उसके घर आईं और जमीन के विवाद में उकसावे के चलते उस पर हमला बोल दिया। चारों आरोपियों ने हिना को घर में घसीटा, जमीन पर पटककर पीटा, जिससे वह अर्धनग्न हो गई।मासूम बेटियों की चीखें भी नहीं रोक सकीं हैवानियत इस दौरान हिना की 5 और 3 साल की बेटियां अपनी मां को बचाने के लिए चीखती रहीं, लेकिन आसपास के लोग केवल तमाशबीन बने रहे। हिना का आरोप है कि उनके वृद्ध ससुर देवी प्रसाद मौर्या की जमीन पर दबाव बनाकर उसे टिम्मल मौर्या के नाम रजिस्ट्री कराने की कोशिश हो रही थी। विरोध करने पर ननदों ने वृद्ध पिता को अपने साथ लेकर दबाव बनाया और हिना व उसकी बच्चियों को घर से निकाल बाहर कर मकान पर ताला लगा दिया। हिना ने प्रशासन और पुलिस से न्याय की गुहार लगाई। उनका कहना है कि उसका पति मानसिक रूप से कमजोर है और दो छोटी बेटियों की जिम्मेदारी उसके ऊपर है। ऐसे में अगर मायके की जमीन से बेदखल कर दिया गया तो उनका परिवार सड़कों पर आ जाएगा।

सीवान के जामो में दंपति को चाकू से मार कर हत्या

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत जामो थाना क्षेत्र के हेतिमपुर गांव में किसी पुरानी रंजिश में हमलावरों ने पति-पत्नी की हत्या चाकू मार कर कर दिया है। वही दो अन्य लोगों को जख्मी होने की सूचना मि रही है आरोप मृतक के पाटीदारों पर हीं पीड़ित परिवार लगा रहा है। मामला भूमि संबंधी बताया जाता है। महाराजगंज के एसडीपीओ अमन कुमार ने बताया पुलिस आरोपियों के गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। अविलंब घटना कारीत करने वालों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। हाल में पुलिस शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए सीवान भेज दिया है।

दिलिप बनाए गए मुजफ्फरपुर टीएसी के सलाहकार

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज में भारत संचार एवं क्षेत्र विकास मंत्रालय केंद्र सरकार ने बिहार के अंतर्गत सीवान जिला भाजपा संगठन पूर्वी के प्रेस प्रवक्ता दिलीप कुमार सिंह को मुजफ्फरपुर जोन के छपरा टेलीकॉम बीएसएनएल का सलाहकार सदस्य बनाया है। इसके लिए दिलीप कुमार सिंह ने बीएसएनएल उपभोक्ता की समस्याओं के समाधान का भरोसा दिलाया। उन्होंने महाराजगंज के सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल, मुजफ्फरपुर के सांसद चंद्रभूषण चौधरी, मोतिहारी के सांसद राधामोहन सिंह, आदि का आभार जताया। इस मनोनयन पर बिहार के स्वास्थ्य व विधि मंत्री मंगल पांडे , बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल , हरसिद्धि के विधायक सह बिहार सरकार के उद्योग मंत्री कृष्णनंदन पासवान सीवान जिला पश्चिमी के बीजेपी अध्यक्ष राहुल तिवारी, सिवान जिला पूर्वी संगठन के अध्यक्ष रंजीत गुप्ता , बीजेपी प्रदेश नेत्र सुप्रिया जयसवाल, महाराजगंज नगर पंचायत के मंडल अध्यक्ष अमरजीत सिंह पूर्वी के मंडल अध्यक्ष शेषनाथ सिंह आदि के अलावा सैकड़ो शुभ चिंतकों ने बधाई दी है।

काशी में शारदीय नवरात्र का आज पहला दिन, मां शैलपुत्री के जयकारों से गूंजी नगरी

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के महादेव की नगरी काशी में सोमवार से शक्ति उपासना का महापर्व शारदीय नवरात्र आरंभ हो गया। प्रथम दिवस माता शैलपुत्री की आराधना का विशेष महत्व होता है। मान्यता है कि पर्वतराज हिमालय के घर जन्म लेकर माता शैलपुत्री ने अवतार लिया और बाद में यही स्वरूप पार्वती के नाम से भगवान भोलेनाथ की अर्धांगिनी बनीं।

नवरात्र के प्रथम दिन श्रद्धालु बड़ी संख्या में अलईपुरा स्थित माता शैलपुत्री मंदिर पहुंचे। भोर से ही दर्शन-पूजन का क्रम शुरू हो गया। श्रद्धालुओं ने नारियल, फूल-मालाएं और चुनरी अर्पित कर माता की आराधना की। इस दौरान पूरा मंदिर परिसर जय माता दी के जयकारों से गूंज उठा। मां शैलपुत्री महान उत्साह और शक्ति प्रदान करने वाली देवी हैं। उनकी पूजा से भय का नाश होता है, यश-कीर्ति, धन और विद्या की प्राप्ति होती है। इतना ही नहीं, उनकी आराधना से मोक्ष की प्राप्ति भी संभव है। श्रद्धालुओं का कहना था कि नवरात्र का पहला दिन मां शैलपुत्री को समर्पित होता है और मां के दर्शन से ही शक्ति साधना की यात्रा पूर्णता की ओर बढ़ती है। काशी में नवरात्र का शुभारंभ इस आस्था और उत्साह के साथ हुआ कि आने वाले नौ दिनों तक नगरी मां दुर्गा के विविध स्वरूपों की आराधना में रमी रहेगी।

बिना प्रस्वीकृति व मानक का पालन नहीं करने वाले निजी विद्यालयों के विरुद्ध कार्रवाई तय

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज में बिना प्रस्वीकृति के संचालित होने वाले निजी विद्यालयों तथा बच्चों की मुफ्त एवं अनिवार्य शिक्षा अधिनियम के तहत मानक को पूरा नहीं करने वाले विद्यालय विभाग के रडार पर है। अब विना प्रस्वीकृति के तथा मानक के अनुरूप विद्यालय संचालित नहीं होने वाले निजी विद्यालयों के विरुद्ध कार्रवाई को लेकर विभाग ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। बच्चों की मुफ्त एवं अनिवार्य शिक्षा अधिनियम ,2009 की धारा 19 के आलोक में अधिनियम लागू किए जाने के तीन वर्ष के अंदर मानकों को पूरा नहीं करने वाले निजी विद्यालय तथा बिना प्रस्वीकृति के संचालित निजी विद्यालयों के विरुद्ध कार्रवाई तय है। इस संबंध में महाराजगंज के बीइओ राजकिशोर उपाध्याय ने निदेशक प्राथमिक शिक्षा व डीइओ के पत्र का हवाला देते हुए बताया कि विद्यालयों को चिन्हित करते हुए कार्रवाई करने का निर्देश है. लिखे पत्र में निदेशक ने कहा है कि बच्चों की मुफ्त एवं अनिवार्य शिक्षा अधिनियम 2009 लागू होने की तिथि से यू डायस प्लस पर पंजीकृत किए जाने की स्वीकृति दिए जाने के बाद तीन वर्षों तक अधिनियम के तहत सभी मानदंडों को पूरा नहीं किया गया है। बच्चों की मुफ्त एवं अनिवार्य शिक्षा अधिनियम 2009 की धारा 19 के आलोक में जिले में सभी निजी विद्यालयों को अधिनियम के लागू किए जाने के तीन वर्षों के अंदर अधिनियम के सभी मानकों पूरा करते हुए प्रस्वीकृति प्राप्त कर विद्यालयों का संचालन अनिवार्य किया गया है। उक्त प्रावधान के बावजूद वर्तमान में बहुत बड़ी संख्या में निजी विद्यालय बिना प्रस्वीकृति के संचालित हो रहे है। कहा कि मानक का पालन नहीं करने वाले प्रस्वीकृति प्राप्त विद्यालयों की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करने तथा अप्रस्वीकृत निजी विद्यालयों को निर्धारित समय-सीमा के अंदर प्रस्वीकृति प्रदान करने की तथा बिना प्रस्वीकृति के संचालित निजी विद्यालयों की जांच करते हुए कार्रवाई करने का निर्देश है।

रामलीला पंडाल में जबरन घुसे युवक, नारेबाजी से मचा हंगामा

धर्म विशेष के प्रति नारे लगाते, हाथों में तख्ता लिए, रामलीला पंडाल में घुसे उपद्रवी!

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के हुकुलगंज में रविवार की रात चल रही प्रसिद्ध रामलीला के दौरान उस समय अफरा-तफरी मच गई जब करीब 20 से 25 बाइक पर सवार युवक पंडाल का रास्ता बंद होने के बावजूद जबरन अंदर घुस आए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, युवक एक धर्म विशेष के प्रति नारेबाजी करते हुए हाथों में तख्तियां लिए हुए थे, जिन पर आपत्तिजनक बातें लिखी हुई थीं। अचानक हुई इस घटना से रामलीला देख रहे दर्शकों में गुस्सा फैल गया और लोग हर-हर महादेव व जय श्रीराम के नारे लगाने लगे। हालांकि विवाद बढ़ने से पहले ही सभी युवक ताड़ीखाना तिराहे की ओर निकल गए। मौजूद लोगों ने उनमें से कुछ की पहचान कर ली है। इस बात को लेकर क्षेत्रीय लोगो मे आक्रोश ब्याप्त है। रामलीला समिति के अध्यक्ष एवं पार्षद बृजेश चंद्र श्रीवास्तव भी वहां मौजूद थे उन्होंने तत्काल थाना प्रभारी लालपुर पांडेयपुर को पूरी घटना की सूचना दी और सोमवार को थाने पर प्रार्थना पत्र देते हुए कार्यवाही की मांग किया।

फ्लाइट में कॉकपिट का गेट खोलने लगे यात्री, बेंगलुरु से वाराणसी आ रहा था विमान

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। में बेंगलुरु से वाराणसी आ रही एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट आईएक्स-1086 में सोमवार को उस समय हड़कंप मच गया जब यात्रियों के बीच बैठे नौ युवकों के समूह में शामिल कुछ युवक हवा में उड़ रही फ्लाइट के कॉकपिट का गेट खोलने लगे केबिन क्रू ने जब उन्हें रोका तो वे शरारत करने लगे इस दौरान विमान में बैठे अन्य यात्री घबराकर परेशान हो उठे। एयरलाइंस कर्मियों ने उन्हें फटकार लगाते हुए सीट पर बैठाया उसके बाद फ्लाइट वाराणसी एयरपोर्ट पर पहुंची और एयरपोर्ट पर पहुंचते ही एयरलाइंस कर्मियों द्वारा घटना की सूचना सीआईएसएफ को दी। अधिकारियों ने बताया कि फ्लाइट सुबह 8:14 बजे बेंगलुरु से उड़ी थी और 10:20 बजे वाराणसी एयरपोर्ट पर उतरी जैसे ही विमान लैंड हुआ सीआईएसएफ ने सभी नौ यात्रियों को पकड़ लिया और पूछताछ के लिए फूलपुर थाने की बाबतपुर चौकी को सूचना देते हुए पुलिस को सौंप दिया।

सोमैया विद्याविहार विश्वविद्यालय ने धर्म-अध्ययन पाठ्यक्रम किया शुरू

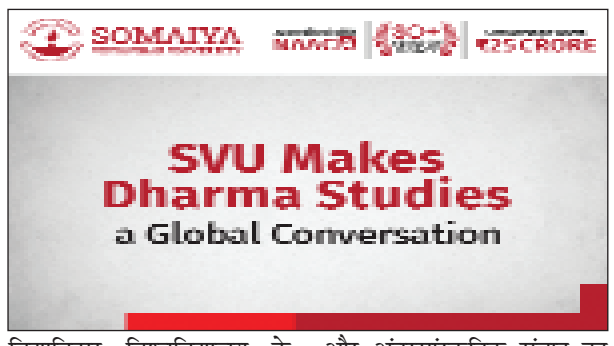

मुंबई। सोमैया विद्याविहार विश्वविद्यालय ने धर्म-अध्ययन नाम का एक महत्वपूर्ण पाठ्यक्रम शुरू किया है। भारत को बुद्धि, ज्ञान और संस्कृति की महान परंपरा मिली है। यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को इस परंपरा से जोड़ता है और उन्हें मूल्यों, संस्कृति और वैश्विक समस्याओं पर सोचने के लिए सक्षम बनाता है।

आज के समय में वैश्विक बदलावों के कारण कई प्रश्न सामने आए हैं। ऐसी स्थिति में इस पाठ्यक्रम के माध्यम से धर्म की परंपराओं का गहन अध्ययन कर विद्यार्थियों को न्याय, सामाजिक जिम्मेदारी और वैश्वीकरण जैसे क्षेत्रों की समझ दी जाती है। साथ ही उन्हें यह भी बताया जाता है कि धर्म केवल अतीत की धारणा नहीं है, बल्कि आज भी वह समाज को जोड़ने वाली और नैतिक मार्गदर्शन देने वाली शक्ति है। सोमैया विद्याविहार विश्वविद्यालय के द्धधर्म-अध्ययन पाठ्यक्रम में संस्कृत, प्राकृत साहित्य, आधुनिक दर्शन, राजनीतिक सिद्धांत और सांस्कृतिक अध्ययन शामिल हैं। विद्यार्थियों को सीधे प्राचीन ग्रंथों से सीखने का अवसर मिलता है, जिससे उनकी भाषा समृद्ध होती है और विश्लेषण करने की क्षमता बढ़ती है। इसके साथ ही भारतीय ज्ञान-पद्धति के आधार पर मानवाधिकार और अंतरसांस्कृतिक संवाद का महत्व समझाया जाता है।

के. जे. सोमैया धर्म-अध्ययन संस्थान के अधिष्ठाता डॉ. अभिषेक घोष के अनुसार, धर्म केवल अतीत का हिस्सा नहीं है, बल्कि आज की दुनिया में नैतिक और सांस्कृतिक मार्गदर्शन देने वाला महत्वपूर्ण आधार है। हमारा उद्देश्य विद्यार्थियों को परंपरा से जोड़ते हुए उन्हें वैश्विक संवाद के लिए तैयार करना है।

यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को दर्शनशास्त्र, धर्मशास्त्र और सांस्कृतिक शोध में निपुण बनाता है और उन्हें अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं, विचार मंचों और नैतिक नेतृत्व में भाग लेने के लिए तैयार करता है। विद्यार्थियों को यह भी सिखाया जाता है कि धर्म निम्नलिखित क्षेत्रों से कैसे जुड़ा है: राजनीति और प्रशासनः न्याय और जिम्मेदारी पर आधारित नीतियाँ बनाना।

मानवाधिकार और वैश्विक नैतिकताः विभिन्न संस्कृतियों में समानता और अहिंसा का महत्व समझाना। पर्यावरण संरक्षणः संतुलन और स्थिरता के लिए धर्म की शिक्षाओं का प्रयोग करना। प्रौद्योगिकी की नैतिकताः एआई और डिजिटल युग में उठने वाले नैतिक प्रश्नों का समाधान प्राचीन ज्ञान से करना।

शादी का झांसा देकर बनाता रहा शारिरिक सम्बन्ध, गर्भवती होने पर दे रहा धोखा

जफराबाद,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के एक गांव की युवती ने जलालपुर क्षेत्र के एक युवक पर शादी का झांसा देकर शारिरिक सम्बन्ध बनाने तथा गर्भवती होने पर धोखा दिए जाने का आरोप लगाया है। जलालपुर क्षेत्र के ऊक्त युवक की रिश्तेदारी एक गांव में है। वह युवक अक्सर अपने ऊक्त रिश्तेदार के घर पर आता जाता था। उसी दौरान उसका ऊक्त युवती से प्रेम सम्बन्ध हो गया। युवती का आरोप है कि युवक उससे शादी का झांसा देकर शारिरिक सम्बन्ध बनाता रहा। जब वह गर्भवती हुई तब भी वह उससे शादी करने का आश्वासन देता रहा। जब पिछले दिनों उससे युवती ने कहा कि पेट मे अब छह माह का बच्चा हो चुका है। अब उसके परिवार के लोग मामले को जान चुके है। वह युवक से तत्काल शादी करने को कहने लगी। तब युवक ने मोबाइल फोन उठाना बन्द कर दिया था। तब वह युवक के गांव पहुंच गयी। वहां पर दोनों के बीच काफी झगड़ा हुआ। घटना की सूचना पर जलालपुर पुलिस मौके पर पहुंच गयी। इस बारे में थानाप्रभारी जलालपुर गजानंद चौबे ने बताया कि घटना के बाद दोनों को बुलवाया गया था। युवती जफराबाद क्षेत्र की है। उसे वहां भेज दिया गया। इस बारे में थानाध्यक्ष जफराबाद रमेश कुमार ने कहा कि मामले की जानकारी हुई है। परंतु अभी तक युवती आयी नही है। वह आएगी तो उसके साथ हुए घटना पर उचित कार्यवाही की जाएगी।

बढ़ती उम्र रोकने के लिए अनुशासित दिनचर्या जरूरी : प्रो. रिजवी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विज्ञान संकाय द्वारा दीक्षोत्सव 2025 व्याख्यानमाला श्रृंखला के अंतर्गत प्रमुख वक्ता के रूप में प्रोफेसर सैयद इब्राहीम रिजवी, विभागाध्यक्ष, बायोकैमिस्ट्री, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने अपना व्याख्यान मानव जीवन काल को बढ़ाना वास्तविकता या भ्रम विषय पर दिया। प्रो. रिजवी ने कहा कि मानव जीवनकाल को बढ़ाने का विषय हमेशा से ही विज्ञान, चिकित्सा और समाज के लिए चर्चा का कारण रहा है। उन्होंने इस जटिल और दिलचस्प प्रश्न को विद्यार्थियों को सोचने और इस पर विचार करने के लिए कहा जिसमें शोध के नये आयाम जुड़ सके। सवाल न केवल विज्ञान और प्रौद्योगिकी के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह हमारे समाज, संस्कृति और व्यक्तिगत जीवनशैली पर भी असर डालता है। इसमें हम सही जीवनशैली एवं अनुशासित दिनचर्या को अपनाकर लंबा एवं स्वस्थ जीवन जी सकते हैं। उन्होंने बताया कि भोजन में ऊर्जा का नियत मात्रा से थोड़े कम ऊर्जा लेने पर एवं अच्छी नींद लेने पर लंबा जीवन शैली हो सकती जो बढ़ती उम्र को रोकने में कारगर उपाय हो सकता है। अतिथि को अंगवस्त्रम एवं स्मृति चिन्ह द्वारा कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने सम्मानित किया और अपने उद्बोधन में विश्वविद्यालय में शोध एवं शैक्षणिक गतिविधियों को बढ़ाने के बारे में बताया। स्वागत विश्वविद्यालय के प्रोफेसर राजेश शर्मा ,संकायाध्यक्ष विज्ञान संकाय ने किया। डॉ. मनीष कुमार गुप्ता ने कार्यक्रम और इसके उद्देश्यों के बारे में जानकारी दी। अतिथि का जीवन परिचय शोध छात्रा मंजूषा सिंह ने पढ़ा। डॉ. एसपी तिवारी ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। संचालन डॉ.संजीव मौर्य ने किया। कार्यक्रम के उपरांत अतिथि द्वारा पौधरोपड़ भी किया । इस अवसर पर प्रोफेसर प्रदीप कुमार संयोजक, दीक्षोत्सव, विवेक कुमार पांडेय, प्रोफेसर रामनारायण, डॉ,श्वेता सोनम श्रीवास्तव, डॉ .प्रतिमा श्रीवास्तव एवं डॉ ईशानी भारती अतिथि प्रोफेसर रिजवी की पत्नी श्रीमती आसमा रिजवी , डॉ.ऋषि श्रीवास्तव, डॉ .दिनेश कनौजिया, डॉ.अभय कुमार गुप्ता, डॉ.सिपाही लाल पटेल, डॉ. अवधेश कुमार, डॉ. जाहनवी श्रीवास्तव, शोधछात्रा आतिफा हफीज एवं विज्ञान संकाय के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

पति के गायब होने से टूटा पूरा परिवार, गर्भवती पत्नी और मासूम बच्चों के सामने भुखमरी का संकट

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज तहसील के अंतर्गत आने वाले गाँव सुझाकला पंडुहिया की रहने वाली अजरुन निशा अपने पांच मासूम बच्चों और गर्भ में पल रहे शिशु के साथ आज न सिर्फ दर-दर की ठोकरें खा रही हैं, बल्कि अपने पति की सलामती की भी भीख माँग रही हैं। पीड़िता अजरुन निशा का कहना है कि उनका पति सफुद्दीन, जो सऊदी अरब में रोजगार करता था, सोशल मीडिया के माध्यम से तबस्सुम नाम की महिला के संपर्क में आ गया। यह महिला, जो पहले से तलाकशुदा और कथित रूप से चरित्रहीन बताई जा रही है, ने प्यार के झूठे जाल में फँसाकर सफुद्दीन से लाखों रुपये वसूले।

विदेश से लौटने के बाद सफुद्दीन का व्यवहार पूरी तरह बदल गया। वह न पत्नी का ख्याल रखता था, न बच्चों की परवाह करता था। उल्टा आए दिन तबस्सुम से मिलने जौनपुर भाग जाता। जब पत्नी ने विरोध किया तो उसे तीन तलाक की धमकी देने लगा। मामला पंचायत तक पहुँचा और एक स्टाम्प पेपर पर सफुद्दीन ने तबस्सुम से संबंध न रखने का वादा भी किया, लेकिन सब व्यर्थ गया। रहस्यमय तरीके से लापता 10 सितंबर 2025 की रात लगभग 1 बजे सफुद्दीन यह कहकर घर से निकला कि शाम तक लौट आएगा, लेकिन उसके बाद से वह आज तक वापस नहीं लौटा। परिजन उसकी राह तकते-तकते थक चुके हैं। पत्नी को शक है कि तबस्सुम, उसकी बहनें रुखसार, शायरा, चांदनी और माँ चन्दा ने मिलकर उसके पति को या तो अगवा कर लिया है या उसकी हत्या कर दी गई है। पुलिस प्रशासन पर उठते सवाल पीड़िता ने बताया कि उसने सूलना पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई, थाने में गुहार लगाई, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। आरोपियों की ओर से उसे धमकियाँ दी जा रही हैं झ ₹अगर पुलिस में शिकायत की तो तुम्हारे पति की लाश नाले में मिलेगी। गरीबी और भूख से जूझता परिवार पाँच बच्चों की माँ और एक गर्भवती महिला आज दो वक्त की रोटी के लिए मोहताज है। बेटी की हाल ही में शादी हुई है, जिसमें पीड़िता के मायके वालों ने मदद की थी। अब ना कोई सहारा है, न कोई सुरक्षा। पीड़िता का कहना है कि यदि जल्द ही उसके पति की बरामदगी नहीं हुई और आरोपियों पर कार्रवाई नहीं हुई तो उनका पूरा परिवार सड़क पर आ जाएगा। अब अजरुन निशा और उसका परिवार जिले के पुलिस अधीक्षक डॉ. कौस्तुभ से यह अपील कर रहा है कि वह इस मामले को गंभीरता से लें, पति सफुद्दीन की जल्द बरामदगी कराएं और तबस्सुम सहित नामजद आरोपियों पर आपराधिक मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई करें। यह सिर्फ एक महिला की लड़ाई नहीं, समाज के उन तमाम परिवारों की आवाज है जो प्रेम-जाल, लालच और उपेक्षा के इस खतरनाक ताने-बाने में उलझकर तबाह हो रहे हैं।

शहीद वीर अब्दुल हमीद के सम्मान में धामूपुर गांव में सेना ने हीरक जयंती का किया आयोजन

दुल्लहपुर, गाजीपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के परमवीर चक्र विजेता शहीद वीर अब्दुल हमीद के पैतृक गांव धामूपुर स्थित शहीद पार्क में सोमवार को रेड ईगल साइक्लिंग अभियान का सापन हुआ। यह आयोजन 1965 भारत-पाक युद्ध की हीरक जयंती, स्ट्राइक वन व रेड ईगल डिवीजन के गठन तथा परम वीर चक्र विजेता सीक्यूएमएच अब्दुल हमीद की शहादत और वीरता के सम्मान में आयोजित किया गया। वर्ष 1965 भारत-पाक युद्ध की हीरक जयंती मनाने और परम वीर चक्र (पीवीसी) विजेता कंपनी क्वार्टर मास्टर हवलदार अब्दुल हमीद की सर्वोच्च शहादत को नमन करने हेतु 19 सितम्बर 2025 को प्रयागराज के ओल्ड कैंटोनमेंट स्थित वीर अब्दुल हमीद द्वार से साइक्लिंग अभियान का शुभारंभ किया गया। यह अभियान 22 सितम्बर 2025 को उनके जन्मस्थान धामूपुर (गाजीपुर) स्थित वीर अब्दुल हमीद पार्क में सम्पन्न हुआ। साइक्लिस्टों ने चार दिनों में उत्तर प्रदेश के तीन जिलों से होते हुए कुल 231 किलोमीटर की दूरी तय की। इस दौरान उन्होंने न केवल शारीरिक सहनशक्ति का प्रदर्शन किया बल्कि भारत के युद्ध नायकों की विरासत को सहेजने का अदम्य संकल्प भी दिखाया। सीक्यूएमएच अब्दुल हमीद को 1965 के असल उत्तर युद्ध में शत्रु के कई टैंकों को नष्ट करने के लिए भारत के सर्वोच्च वीरता पुरस्कार परम वीर चक्र से मरणोपरांत सम्मानित किया गया था। उनकी शहादत स्वतंत्र भारत के युद्ध इतिहास में शौर्य का अनुपम उदाहरण मानी जाती है। 22 सितम्बर 2025 को अभियान का समापन धामूपुर, गाजीपुर में स्थित सीक्यूएमएच अब्दुल हमीद, पीवीसी के स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। समापन समारोह में गाजीपुर के स्थानीय प्रशासन ने रेड ईगल डिवीजन के साइक्लिस्टों को उनकी सहनशक्ति और प्रतिबद्धता के लिए पदक प्रदान कर सम्मानित किया। रेड ईगल डिवीजन की साइक्लिंग टीम ने क्षेत्र के पूर्व सैनिकों की समस्याओं को सुना और भारतीय सेना की अपने पूर्व सैनिकों के कल्याण हेतु प्रतिबद्धता को दोहराया। धामूपुर के युवाओं और देवकली स्थित हनुमान सिंह इंटर कॉलेज के विद्यार्थियों के लिए एक जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। इसमें भारतीय सेना में भर्ती प्रक्रिया, रैंक संरचना और अनुशासन व सेवा की भावना पर प्रेरक व्याख्यान दिए गए। साथ ही, जॉइन इंडियन आर्मी संबंधी पुस्तिकाएँ प्रयागराज से धामूपुर तक के मार्ग में युवाओं को वितरित की गईं। यह साइक्लिंग अभियान न केवल 1965 के युद्ध नायकों को श्रद्धांजलि है, बल्कि युवाओं को साहस, बलिदान और कर्तव्यनिष्ठा के उन आदर्शों को अपनाने के लिए भी प्रेरित करता है, जिन्हें सीक्यूएमएच अब्दुल हमीद, पीवीसी ने अपने जीवन से परिभाषित किया। इस मौके पर क्षेत्र सहित सुदूर क्षेत्रों से लोगों ने कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और सेना के जवानों द्वारा किए गए अथक प्रयास तथा उत्साह एवं उनके प्रेरणात्मक विचारों की प्रशंसा की।

नाबालिग के अपहरण व दुष्कर्म के आरोपी को 10 वर्ष की कैद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पवारा थाना क्षेत्र में नौ वर्ष पूर्व 17 वर्षीय नाबालिग को बहला फुसलाकर भगा ले जाने व उसके साथ दुष्कर्म करने के आरोपी युवक को अपर सत्र न्यायाधीश (पाक्सो) उमेश कुमार की अदालत ने 10 वर्ष के कारावास व ?30000 अर्थदंड से दंडित किया। अभियोजन कथानक के अनुसार पवारा थाना क्षेत्र निवासी वादी मुकदमा ने 16 अक्टूबर 2016 को अभियोग पंजीकृत करवाया कि 10 अक्टूबर 2016 को शाम 7:00 बजे उसकी 17 वर्षीय नाबालिग पुत्री को गांव का ही रहने वाला गुलाब बिंद बहला फुसलाकर भगा ले गया। बहुत खोजने पर 15 अक्टूबर 2016 को सुजानगंज थाना क्षेत्र के तरसाँवा गांव में दोनों लोग मिले जिन्हें लेकर थाने आया हूं। पुलिस ने विवेचना करके आरोप पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया। शासकीय अधिवक्ता राजेश कुमार उपाध्याय के द्वारा परीक्षित कराए गए गवाहों के बयान एवं पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों के परिशीलन के पश्चात अदालत ने आरोपी युवक को नाबालिग के अपहरण व दुष्कर्म के आरोप में दोष सिद्ध पाते हुए 10 वर्ष के कारावास व 30 हजार रुपए जुमार्ने से दंडित किया।

संगठन की सक्रियता और निष्ठा को देख लोग जुड़ रहे हैं : नवीन सिंह

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सिरकोनी ब्लाक के हरबसपुर ग्राम में रविवार को राष्ट्रवादी नौजवान सभा (रा.नौ.स) के तत्वावधान में सदस्यता अभियान चलाया गया। कार्यक्रम का संचालन नितेश कन्नौजिया की देखरेख में हुआ। अभियान में ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और बड़ी संख्या में लोगों ने संगठन की सदस्यता ग्रहण की। सदस्यता अभियान की शुरूआत संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष नवीन सिंह ने पौधारोपण कर की। इसके बाद उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि ह्लराष्ट्रवादी नौजवान सभा केवल कागजों पर सक्रिय संगठन नहीं है, बल्कि यह समाज और देश के लिए जमीन पर उतरकर कार्य कर रहा है। संगठन की सक्रियता और निष्ठा को देखकर ही लोग बड़ी संख्या में हमसे जुड़ रहे हैं। हमारा लक्ष्य युवाओं को राष्ट्रहित में जोड़ना है ताकि समाज में शिक्षा, संस्कार और सेवा की परंपरा को मजबूत किया जा सके। उन्होंने आगे कहा कि समाज के अंतिम पायदान तक बैठे लोगों तक संगठन की पहुंच बनाना हमारी प्राथमिकता है। रा.नौ.सभा युवाओं को जागरूक कर समाज सुधार और राष्ट्र निर्माण के कार्य में निरंतर जुटी है। श्री सिंह ने युवाओं से आह्वान किया कि वे संगठन से जुड़कर भ्रष्टाचार, सामाजिक कुरीतियों और नशे के खिलाफ जनजागरूकता अभियान में भाग लें। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रबंधक प्रमोद शुक्ला, जिला अध्यक्ष रतनदीप शर्मा और जिला प्रभारी पिंकू सिंह ने भी संगठन की नीतियों और कार्यप्रणाली पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि रा.नौ.सभा गांव-गांव जाकर युवाओं को जोड़ेगी और समाजसेवा की अलख जगाती रहेगी। कार्यक्रम का संचालन संतोष श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर संजय मौर्य, अनुज कुमार, दीपक यादव, रोहित निषाद, राधेश्याम, मनोज सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता व ग्रामीण मौजूद रहे। सदस्यता ग्रहण करने वालों में युवाओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। लोगों ने संगठन से जुड़कर समाजहित में काम करने का संकल्प लिया।

ऑनलाइन कंपनियों का बहिष्कार करें: व्यापार मंडल स्वदेशी सामान को प्राथमिकता दें: दिनेश टंडन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के आह्वान पर जौनपुर उद्योग व्यापार मंडल स्वदेशी वस्तुओं के जन जागरण कार्यक्रम आयोजित करेगा तथा व्यापारियों को इस आंदोलन में सम्मिलित होने का निवेदन किया।

जौनपुर उद्योग व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष दिनेश टंडन ने उपयुक्त बातें सूतहटी बाजार स्थित जिला कैंप कार्यालय पर पत्रकार वार्ता में कहीं उन्होंने देश हित में स्वदेशी सामान अपनाओ का निवेदन किया तथा विशेष कर महिलाओं और युवाओं से खरीदारी करते समय विशेष ध्यान देने का आग्रह किया तथा सभी तहसीलों और बाजारों में व्यापारियों को जागरूक करने की बात कही। प्रेस वार्ता में उपस्थित जौनपुर नगर अध्यक्ष राधेरमण जायसवाल ने अमेरिका द्वारा लगाये जा रहे हैं प्रतिबंधों से बचने के लिए विदेशी सामानों का प्रयोग ना करने तथा फ्लिपकार्ट और अमेजॉन के द्वारा ऑनलाइन खरीद से भी लोगों को दूरी बनाने की बात कही, प्रदेश उपाध्यक्ष सोमेश्वर केसरवानी ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के साथ-साथ उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल इस आंदोलन में सभी व्यापारियों से सहयोग की अपील करता है। मीडिया से बात करते हुए प्रदेश मंत्री महेंद्र सोनकर ने कहा कि विदेशी सामान प्रयोग करने से देश कमजोर होता है और अपने देश को मजबूत करने के लिए स्वदेशी सामान प्रयोग करना चाहिए।

युवा उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश कोषाध्यक्ष संतोष अग्रहरि ने पत्रकारों से बात करते हुए उत्तर प्रदेश के साथ-साथ पूरे भारत में स्वदेशी सामान का प्रयोग करने का व्यापारियों के साथ आम जनता से निवेदन किया, व्यापारियों को जागरूकता के लिए व्यापारियों के प्रतिष्ठानो पर स्टिकर लगाकर स्वदेशी अपनाओ का निवेदन भी किया गया। प्रेस वार्ता में जिला महामंत्री रामकुमार साहू, नगर महामंत्री उत्तरी मनोज कुमार साहू, नगर महामंत्री दक्षिणी मुन्नालाल अग्रहरि, युवा जिला अध्यक्ष संतोष अग्रहरि फामेर्सी युवा जिला महामंत्री शिशिर गुप्ता आदि पदाधिकारी उपस्थित रहे। सम्मानित पत्रकार बंधुओं का स्वागत नगर अध्यक्ष राधेरमण जायसवाल ने किया, आभार जिला महामंत्री रामकुमार साहू ने व्यक्त किया।

रहस्यमयी परिस्थितियों में व्यापारी की मौत, आक्रोशित लोगों ने किया चक्काजाम

चंदौली(उत्तरशक्ति)। नियामताबाद थाना क्षेत्र के अलीनगर अंतर्गत नदेसर गांव के समीप रविवार देर रात लगभग दस बजे सरने गांव निवासी 27 वर्षीय आशु विश्वकर्मा का शव संदिग्ध परिस्थितियों में सड़क पर खून से लथपथ मिला। मृतक के सिर पर गंभीर चोटें थीं, जबकि घटनास्थल से कुछ दूरी पर उसकी बाइक खड़ी मिली। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु जिला अस्पताल भेज दिया।

आशु विश्वकर्मा, सरने गांव निवासी रामनरेश विश्वकर्मा का इकलौता पुत्र था। वह बौरी गांव में इलेक्ट्रॉनिक्स की दुकान चलाता था। रविवार रात करीब सवा नौ बजे दुकान बंद कर बाइक से घर लौट रहा था। इसी बीच रास्ते में उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही गांव में कोहराम मच गया। जाम की सूचना पर थानाध्यक्ष अनिल कुमार पांडेय, क्षेत्राधिकारी कृष्णमुरारी शर्मा मौके पर पहुंचे और लोगों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन परिजन उपजिलाधिकारी को मौके पर बुलाने और परिवार को पट्टा देने पर अड़े रहे। करीब दो घंटे तक चला जाम उस समय समाप्त हुआ, जब अपर पुलिस अधीक्षक अनंत चंद्र शेखर और उपजिलाधिकारी अनुपम मिश्र मौके पर पहुंचे। उन्होंने परिजनों से वार्ता कर परिवार को पट्टा देने और मुख्यमंत्री किसान दुर्घटना बीमा योजना के तहत पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता दिलाने का आश्वासन दिया। इसके बाद ग्रामीणों ने जाम समाप्त किया। घटना स्थल और जाम स्थल पर बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। इस दौरान भाजपा नेता राणा प्रताप सिंह, समाजवादी पार्टी नेता चंद्रशेखर यादव, महेंद्र माही, ग्राम प्रधान संतोष प्रजापति सहित महिलाओं व पुरुषों की भीड़ लगी रही। उपजिलाधिकारी अनुपम मिश्र ने कहा कि मृतक का परिवार आर्थिक रूप से कमजोर है, उनके पास मात्र एक विश्वा जमीन है। सरकार की ओर से उन्हें पट्टा उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही मुख्यमंत्री किसान दुर्घटना योजना के तहत पांच लाख रुपये की आर्थिक मदद दी जाएगी।

जीएसटी दरों में कमी से व्यापार को नई उड़ान, उपभोक्ताओं को बड़ी राहत

-सुरेश गांधी

वाराणसी। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में की गई कमी का असर देशभर के बाजारों में दिखने लगा है। उपभोक्ताओं को सीधे राहत देते हुए यह कदम न केवल खरीदारी को प्रोत्साहित करेगा बल्कि उत्पादन, रोजगार और कारोबार को भी नई गति प्रदान करेगा। भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य एवं उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री श्री सरवर सिद्दीकी ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के इस ऐतिहासिक निर्णय की सराहना करते हुए कहा कि यह कदम राष्ट्रीय हित में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार का यह साहसिक कदम छोटे-बड़े सभी व्यापारियों और उद्योगों के लिए वरदान साबित होगा।

श्री सिद्दीकी ने कहा, जीएसटी दरों में कमी का सीधा असर उपभोक्ताओं की क्रय शक्ति पर पड़ेगा। लोग ज्यादा खरीदारी करेंगे, जिससे बाजार में रौनक लौटेगी। उत्पादन बढ़ने से नए उद्योग खुलेंगे और लाखों युवाओं के लिए रोजगार के अवसर तैयार होंगे। यह कदम प्रधानमंत्री की दूरदर्शी आर्थिक सोच का परिचायक है। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा जारी नया नियम आज से लागू हो गया है, जिससे व्यापारिक जगत में उत्साह का माहौल है। थोक व्यापारी से लेकर खुदरा बाजार तक हर वर्ग इस निर्णय का स्वागत कर रहा है।

व्यापारी संगठनों का कहना है कि जीएसटी दरों में कमी से सामान की कीमतें घटेंगी और आमजन को भी सीधी राहत मिलेगी। इससे त्योहारी सीजन में उपभोक्ताओं की खरीदारी बढ़ेगी और बाजार में अभूतपूर्व तेजी देखने को मिलेगी। सामाजिक और आर्थिक विशेषज्ञों के मुताबिक, यह कदम देश की अर्थव्यवस्था में न केवल निवेश को बढ़ावा देगा, बल्कि ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में उपभोग की क्षमता को मजबूत करेगा। श्री सिद्दीकी ने अंत में कहा कि ह्लप्रधानमंत्री मोदी ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि उनकी नीतियां केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं, बल्कि आम जनता के जीवन को सीधे तौर पर बेहतर बनाने के लिए हैं। जीएसटी दरों में कमी का यह निर्णय व्यापार और उद्योग के लिए नई ऊर्जा लेकर आया है और देश को आर्थिक गति देने की दिशा में यह ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है।

गया जी से श्राद्ध कर वापस लौट रहे सात लोगों को अज्ञात वाहन ने रौंदा, चार की मौत-तीन घायल

प्रयागराज(उत्तरशक्ति)। बोलेरो खराब होने के बाद वाहन से बाहर निकलकर हाईवे पर बैठे सात लोगों को अज्ञात वाहन ने रौंद दिया। इसमें एक महिला समेत चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन महिलाएं गभीर रूप से घायल हो गई हैं। उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया है। सभी लोग कानपुर के रहने वाले थे। घटना के बाद मौके पर पुलिस पहुंच गई। हादसा भोर में चार बजे हुआ। सभी लोग गया से पिंडदान करके कानपुर लौट रहे थे। बोलेरो गाड़ी संख्या ४स्र 77 जेड 8903 से गुलौली थाना मूसानगर कानपुर देहात से गाड़ी में सवार होकर गया पिंडदान करने गए थे। वापस आते समय सोरांव थाना क्षेत्र के बिगाहियां पुल के पास वाहन खराब हो गई। हाईवे पर ही गाड़ी खड़ी करके ड्राइवर मिस्त्री के खोज में चला गया था। वाहन में सवार सभी लोग गाड़ी से उतरकर हाईवे पर बैठे थे। तभी अज्ञात वाहन ने सभी को रौंद दिया। जिसमें मौके पर ही सुरेश सैनी, सुरेश बाजपेई व पत्नी तारा देवी तथा राम सागर अवस्थी की मौके पर ही मौत हो गई तीन महिलाएं घायल हो गईं।

डॉ. रत्नप्पा कुम्हार की जयंती समारोह सम्पन्न

भदोही(उत्तरशक्ति)। कुढ़वां गांव झ दक्ष आर्मी एवं महाराजा दक्ष प्रजापति चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में डॉ. रत्नप्पा भरमप्पा कुम्हार की जयंती समारोह बड़े ही भव्य एवं उत्साहपूर्वक तरीके से मनाया गया। इस अवसर पर समाज के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े सैकड़ों लोगों ने उपस्थिति दर्ज की। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पधारे युवा नेता एवं भावी विधायक अक्षत राज प्रजापति ने सामाजिक कार्यों के लिए दक्ष आर्मी को 50,000 का सहयोग चेक भेंट किया, जिससे उपस्थित लोगों में उत्साह की लहर दौड़ गई। समारोह में विशिष्ट अतिथियों में जनार्दन प्रजापति, अरूण कुमार, शेषनाथ जी, नन्दलाल, भोलानाथ, शिवशंकर प्रधान, मोहित प्रजापति, जीत नारायण जी, कमला प्रसाद, गुलाम जी, संजय जी, रमेश जी, अजीत जी (सदस्य, माटी कला बोर्ड), गया प्रसाद प्रजापति, राजकुमार प्रधान, महेशचंद्र (प्रतापगढ़), दिलीप (छात्र नेता), रूद्रेश, विनोद (शाहगंज), शरद (इंजीनियर, लखनऊ), देवेंद्र (वाराणसी) एवं वरिष्ठ समाजसेवी डा. लालचंद प्रजापति आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में हाई स्कूल एवं इंटरमीडिएट के सभी विद्यार्थियों को सम्मान पत्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। अक्षत राज प्रजापति द्वारा बच्चों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया और शिक्षा के प्रति उनके समर्पण की सराहना की गई। समारोह के आयोजन ने न केवल सामाजिक एकता को बढ़ावा दिया, बल्कि युवा पीढ़ी में शिक्षा और समाजसेवा के प्रति जागरूकता का संदेश भी दिया।

प्रजापति समाज की राजनीतिक हिस्सेदारी की तलाश: वोट तो है, पर टिकट कहा?

- डॉ. अरुण प्रजापति

गोरखपुर (उत्तरशक्ति)। प्रजापति समाज एक जागरुक, परिश्रमी व इमानदार समाज है ! आज प्रत्येक क्षेत्र में प्रजापति समाज तेजी से आगे बढ़ रहा है, लेकिन राजनीति में प्रजापति समाज की अनदेखी सभी पार्टियों द्वारा लगातार जारी है ! प्रजापति समाज को सभी राजनीतिक दल वोट बैंक की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं ! लेकिन जब बात टिकट की आती है तो पूर्ण रूप से उसे खारिज कर दिया जाता है ! देश की जनसंख्या में इस समुदाय का हिस्सा 5 -6% के बीच माना जाता है, जो उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्य प्रदेश, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, गुजरात, झारखण्ड, छत्तीसगढ़, उड़ीसा, महाराष्ट्र जैसे राज्यों में विशेष रूप से प्रभावशाली है। फिर भी, प्रजापति समाज को राजनीतिक दलों द्वारा टिकट वितरण में वह हिस्सेदारी नहीं मिल रही, जो उनकी जनसंख्या और वोट शक्ति के अनुरूप होनी चाहिए। सभी पार्टियाँ प्रजापति समाज के वोट तो चाहती हैं, लेकिन नेतृत्व और प्रतिनिधित्व देने में पीछे हट जाती हैं। हाल ही में संपन्न हुए दिल्ली विधानसभा चुनाव में सभी पार्टियों द्वारा प्रजापति समाज की अनदेखी की गयी और एक भी टिकट किसी भी राजनीतिक दल द्वारा प्रजापति समाज को नहीं दिया गया! हमारा समाज मेहनती और ईमानदार है, लेकिन राजनीति में हमें सिर्फ वोटर के रूप में देखा जाता है। हमें टिकट चाहिए, नेतृत्व चाहिए, ताकि हम अपनी आवाज को विधानसभाओं और संसद में उठा सकें। बिहार में विधानसभा चुनाव 2025 की सरगर्मियां तेज हो चुकी हैं। आजादी के बाद से आज तक बिहार में प्रजापति समुदाय के किसी व्यक्ति को विधानसभा का टिकट नहीं मिला है। विभिन्न राजनीतिक दलों चाहे वह कांग्रेस, जनता दल (यूनाइटेड), राष्ट्रीय जनता दल (RJD), भारतीय जनता पार्टी (BJP) या अन्य क्षेत्रीय दल हों, सभी ने प्रजापति समाज को विधानसभा टिकट देने में उदासीनता दिखाई है। इस समुदाय को राजनीतिक दलों ने केवल वोटर के रूप में देखा है, न कि नेतृत्व के योग्य उम्मीदवार के रूप में। यह स्थिति समाज के लिए एक कड़वी सच्चाई बन चुकी है, जो उनके वोट बैंक की ताकत के बावजूद उनकी उपेक्षा को दर्शाती है। प्रजापति समाज की राजनीतिक हिस्सेदारी की लड़ाई अब भी जारी है। हमारी नई पीढ़ी अब चुप नहीं बैठेगी। हम हर उस दल से जवाब मांगेंगे, जो हमारे वोट तो लेता है, लेकिन हमें प्रतिनिधित्व नहीं देता। प्रजापति समाज अब कह रहा है—अगर टिकट नहीं मिलेगा, तो वोट भी नहीं मिलेगा।

नालासोपारा के ओस्तवाल नगरी में भाजपा नेता हरिकेश तिवारी द्वारा मेडिकल कैंप का आयोजन

-आंनद मिश्रा

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। नालासोपारा (पूर्व) स्थित ओस्तवाल नगरी के बीजेपी जनसंपर्क कार्यालय में 21 सितंबर 2025 को मेडिकल शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के आयोजक हरिकेश तिवारी और हितेश दुबे ने बताया इस कार्यक्रम में 100 से ज्यादा लोगो ने मेडिकल कैंप का लाभ लिया हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म उत्सव के उपलक्ष्य में पूरे भारत वर्ष में सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम चल रहा है। इसी श्रृंखला में मेडिकल कैंप शिविर सहित कुल 17 प्रकार कार्यक्रम तय किए गए हैं। इस अवसर पर मुख्य रूप से नालासोपारा विधायक राजन नाईक, जिला महामंत्री जोगेंद्र प्रसाद चौबे, पंकज देशमुख, जनक बारोट, किशन उपाध्याय, कमलेश खटावकर, स्नेहल कालसेकर व पुष्पा सोनी की विशेष उपस्थिति रही।

सिस्टमैटिक इंडस्ट्रीज का आईपीओ 24 सितंबर को खुलेगा

मुंबई। मार्च 2000 में स्थापित, सिस्टमैटिक इंडस्ट्रीज लिमिटेड भारत का तीसरा सबसे बड़ा स्टील वायर निर्माता समूह है (स्रोत: केयर एज रिपोर्ट)। यह ग्रुप 25 से ज्यादा वर्षों से पॉवर एंड ट्रांसमिशन, इंफ्रास्ट्रक्चर, एग्रीकल्चर, टेलीकॉम और अन्य क्षेत्रों में सर्विस प्रदान कर रहा है। कंपनी अपने आईपीओ के लिए तैयार है, जिसमें 59.28 लाख नए शेयर जारी करके 115.60 करोड़ रुपये जुटाने की योजना है। हेम सिक्योरिटीज लिमिटेड इस इश्यू का बुक रनिंग लीड मैनेजर है और कैमियो कॉर्पोरेट सर्विसेज लिमिटेड इस इश्यू का रजिस्ट्रार है। कंपनी का मार्केट मेकर हेम फिनलीज प्राइवेट लिमिटेड है। इशू से प्राप्त राशि का उपयोग कंपनी द्वारा लिए गए ऋण के भुगतान तथा जनरल कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। यह इशू 0.55 करोड़ शेयरों के नए इशू (कुल 107.80 करोड़ रुपये) और 0.04 करोड़ शेयरों की ऑफर फॉर सेल (कुल 7.80 करोड़ रुपये) का संयोजन है। अपने एसएमई इंटल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) के लिए, सिस्टमैटिक इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने 185 रुपये से 195 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया है। कंपनी के शेयर 24 सितंबर, 2025 को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेंगे और 26 सितंबर, 2025 को बंद होंगे। सिस्टमैटिक इंडस्ट्रीज आईपीओ के लिए आवंटन/रिफंड की शुरूआत 30 सितंबर, 2025 को होने की उम्मीद है। सिस्टमैटिक इंडस्ट्रीज आईपीओ बीएसई एसएमई पर लिस्ट होगा और इसकी संभावित लिस्टिंग तिथि 1 अक्टूबर, 2025 तय की गई है। 31 मार्च, 2025 और 31 मार्च, 2024 को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष के बीच सिस्टमैटिक इंडस्ट्रीज लिमिटेड के रिव्यू में 21% की वृद्धि हुई और प्रोफायर आफ्टर टैक्स (पीएटी) में 49% की वृद्धि हुई। सिस्टमैटिक इंडस्ट्रीज के आईपीओ में कुल 59,28,000 शेयर उपलब्ध हैं। इनमें से 28,13,400 (47.46%) क्यूआईबी को, 11,25,600 (18.99%) क्यूआईबी (एक्स-एंकर) को, 8,44,200 (14.24%) एनआईआई को, 19,70,400 (33.24%) आरआईआई को और 16,87,800 (28.47%) एंकर निवेशकों को आवंटित किए जाएँगे।

लौह पुरुष थे ठाकुर प्रसाद : डॉ. रणजीत सिंह

सुइथाकला, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शिक्षा के शिल्पी, ग्रामीण शिक्षा के मालवीय, उत्कृष्ट विचारक एवं चिंतक गांधी स्मारक विद्यालय संकुल के संस्थापक एवं पूर्व प्रबंधक स्व. ठाकुर प्रसाद सिंह की 22 वीं पुण्यतिथि श्री गांधी स्मारक इंटर कॉलेज समोधपुर के प्रांगण में सोमवार को प्रेरणा दिवस के रूप में मनाई गई। शिक्षा के क्षेत्र में दिए गए उनके महान योगदान को याद करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

श्रद्धांजलि समारोह के मुख्य अतिथि राज्य अध्यापक पुरस्कार से पुरस्कृत, पूर्व प्रधानाचार्य, स्काउट गाइड के जिला मुख्य आयुक्त डॉ. रणजीत सिंह ने स्व. संस्थापक के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर विनम्र श्रद्धांजलि दी। समारोह का शुभारंभ संगीत शिक्षक प्रेमनाथ सिंह चंदेल के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में अघोर वंदना ₹ हे योगिराज अकाम, तुमको कोटि -कोटि प्रणाम₹..... से हुआ। मुख्य अतिथि डॉ. सिंह ने कहा कि स्वर्गीय ठाकुर प्रसाद सिंह नियम के पक्के और समय के पाबंद और अनुशासन प्रिय व्यक्तित्व थे। भेदभाव और संकीर्णता ने उन्हें छुआ तक नहीं था। वह छात्र हित के लिए सदैव तत्पर रहते थे। बच्चों की शिक्षा में बेहतर करने के लिए वह हमेशा अग्रसर रहते थे। उन्होंने संस्थापक को दृढ़ निश्चय वाला लौह पुरुष एवं साहसी व्यक्तित्व बताया। उन्होंने कहा कि उनके पारदर्शी और निष्पक्ष व्यक्तित्व का कोई जोड़ नहीं है।

विद्यालय संकुल के प्रबंधक हृदय प्रसाद सिंह 'रानू' ने कहा कि संस्थापक के विचारों को मूर्त रूप देने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ूंगा। उन्होंने शिक्षकों से अपील करते हुए कहा कि आज के दिन सभी शिक्षक संकल्प लें कि बच्चों को गुणवत्तापरक शिक्षा प्रदान करें। उन्होंने कहा कि बच्चों को किताबी ज्ञान के अलावा संस्कारित भी करें। उन्होंने शिक्षकों, प्रबंध तंत्र और अन्य लोगों को समन्वय बनाकर विद्यालय एवं छात्र हित के लिए काम करने की बात कही। कहा कि आज के बच्चे ही कल के भविष्य हैं। राज्य शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित प्रधानाध्यापक सतीश सिंह ने कहा कि ठाकुर प्रसाद सिंह ऐसी शख्सियत थे जो किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। उन्होंने उनके विचारों को आत्मसात करने की बात कही। प्राचार्य प्रो. रणजीत कुमार पांडेय ने संस्थापक को दूरदर्शी एवं प्रबंधकों के लिए प्रेरणास्रोत बताया। बताया कि कल्पना से परे उनका व्यक्तित्व था। सेवानिवृत्त शिक्षक गंगा प्रसाद सिंह ने संस्थापक को संघर्षशील, कर्मठ एवं समर्पण की मिसाल बताया। पूर्व रसायन प्रवक्ता रामलाल गुप्ता ने कहा कि बच्चों का चहुमुखी विकास करना ही स्वर्गीय संस्थापक के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। अध्यक्षता करते हुए प्रबंध समिति के सदस्य पंडित राम सन्मुख तिवारी ने कहा कि हर तबके के बच्चों को शिक्षित करने पर ही संस्था की स्थापना का उद्देश्य पूर्ण होगा। राज्य शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित शिक्षक एवं विद्यालय के पूर्व छात्र सतीश सिंह का प्रबंधक ने अंगवस्त्र, माल्यार्पण एवं बुके भेंट करके स्वागत किया। धन्यवाद एवं आभार ज्ञापन इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ अजेय प्रताप सिंह तथा संचालन अंग्रेजी प्रवक्ता विनय त्रिपाठी ने किया। मौके पर प्रो. अरविंद कुमार सिंह, प्रो. राकेश कुमार यादव, डीपीएड के प्राचार्य राजेश प्रताप सिंह, शीतला प्रसाद उपाध्याय,उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष नरसिंह बहादुर सिंह, प्रशांत तिवारी, राधेश्याम मौर्य, विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्य गण ओमप्रकाश पाल, बैजनाथ सिंह, नरेंद्र सिंह, अच्छेलाल सिंह, जितेंद्र बहादुर सिंह बबलू समेत संकुल के समस्त शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे।

वापी रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ प्रभारी आशीष तिवारी जी का सम्मान समारोह सम्पन्न

वापी (उत्तरशक्ति)। आज वापी रेलवे स्टेशन पर रेलवे सुरक्षा बल (RPF) के प्रभारी आशीष तिवारी का सम्मान उत्तर यादव युवा संघ एवं समाजवादी पार्टी (गुजरात इकाई) की ओर से सम्मानपूर्वक किया गया। इस गरिमामय अवसर पर संगठन के कई वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप से कैलाश चंद्रधारी यादव राष्ट्रीय प्रवक्ता उत्तर यादव युवा संघ, हरिराम यादव प्रदेश अध्यक्ष, समाजवादी पार्टी (गुजरात), विजय यादव कार्यकारी अध्यक्ष, समाजवादी पार्टी (गुजरात), अरुण यादव प्रदेश कोषाध्यक्ष, समाजवादी पार्टी (गुजरात), किशन यादव वलसाड जिला अध्यक्ष, अच्छे लाल पांडे प्रदेश महासचिव समाजवादी पार्टी (गुजरात), अरुण पांडे प्रदेश सचिव, समाजवादी पार्टी (गुजरात), कैलाश चंद्रधारी यादव वाइस प्रेसिडेंट, उत्तर भारतीय रेल संघ समिति शामिल रहे। इस मौके पर यात्रियों की समस्या पर गंभीर चर्चा किया गया। इस सम्मान समारोह के दौरान उत्तर भारत की ओर जाने वाली सीमित ट्रेनों—जैसे बांद्रा गाजीपुर एक्सप्रेस—के साप्ताहिक संचालन पर गंभीर चर्चा हुई। वर्तमान में इन ट्रेनों का संचालन सप्ताह में केवल 1 या 2 बार ही होता है, जिससे वलसाड, दमन-दीव, दादरा नगर हवेली, सिलवासा, पालघर आदि क्षेत्रों के यात्रियों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इस विषय पर आरपीएफ प्रभारी आशीष तिवारी ने सुझाव दिया कि इन ट्रेनों को दैनिक रूप से संचालित किया जाना चाहिए, जिससे यात्रियों को सुविधा मिले और रेलवे सेवा का लाभ अधिक लोगों तक पहुँच सके। कार्यक्रम के अंत में तिवारी ने उत्तर यादव युवा संघ और समाजवादी पार्टी की टीम को भरोसा दिलाया कि यात्रियों की समस्याओं को हल करने हेतु हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा।

हमारी संस्कृति है हमारी पहचान: कुलपति

दीक्षोत्सव के अंतर्गत लोक नृत्य प्रतियोगिता का भव्य आयोजन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में चल रहे दीक्षोत्सव के अवसर पर सांस्कृतिक और शैक्षिक गतिविधियों की श्रृंखला में 22 सितंबर 2025 को आर्यभट्ट सभागार में लोक नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न प्रदेशों की लोक संस्कृति मंच पर जीवंत हुई और विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों ने सभागार को तालियों की गड़गड़ाहट से गूंजा दिया।

कार्यक्रम का उद्घाटन कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा हमारी संस्कृति ही हमारी पहचान है। लोक नृत्य सदियों से समाज को जोड़ने का कार्य करते रहे हैं। कुलपति ने प्रतिभागियों को देश की विविध सांस्कृतिक परंपराओं को मंच पर प्रस्तुत करने के लिए बधाई दी। कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह ने कहा कि दीपोत्सव का यह आयोजन विद्यार्थियों में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार करता है। प्रतियोगिता में 15 टीमों के 37 कलाकारों ने भाग लिया। कलाकारों ने विभिन्न राज्यों की लोक संस्कृति को नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत कर दर्शकों से भरपूर प्रशंसा और तालियां बटोरीं। कार्यक्रम का संयोजन प्रो. मनोज मिश्रा ने किया। संचालन सुमित सिंह, आंचल विश्वकर्मा और रिंशु सिंह ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर दीपोत्सव के संयोजक प्रो. प्रदीप कुमार, प्रो. प्रमोद यादव, डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर , डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव, डॉ. अनु त्यागी, डॉ. निमिषा यादव, डॉ. सबरीना, डॉ. नितेश जायसवाल सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षक और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

हिन्दी दिवस पखवाड़ा में काव्यांजलि काव्य की धार द्वारा राष्ट्रीय कवि सम्मेलन संपन्न

मुंबई। साहित्यिक एवं सामाजिक राष्ट्रीय संस्था काव्यांजलि काव्य की धार द्वारा शनिवार दिनांक 20 सितंबर 2025 को हिन्दी दिवस पखवाड़ा के अवसर पर यूट्यूब लाइव के माध्यम से राष्ट्रीय कवि सम्मेलन का आयोजन हुआ।यह आयोजन संस्थापिका डॉ. शालिनी मिश्र ने किया तथा अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार (पूर्व महाप्रबंधक) आचार्य संजय सिंह चंदन - धनबाद ने व संचालन वरिष्ठ राष्ट्रीय साहित्यकार विनय शर्मा दीप मुंबई ने की।कार्यक्रम में एक से बढ़कर एक कविताओं की बौछार ने मानो कार्यक्रम को उमंग से भर दिया। इस कवि सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि मधु स्वामी गाज़ियाबाद उत्तर प्रदेश,अति विशिष्ट अतिथि डॉ. अवधेश तिवारी दिल्ली, विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ साहित्यकार अंजनी कुमार द्विवेदी अनमोल, कल्लू राम स्नेही आदि सभी ने प्रथम सत्र में हिन्दी दिवस पर राजभाषा, राष्ट्रभाषा, देवनागरी पर परिचर्चा और व्याख्यान दिया।दूसरे सत्र में कवि सम्मेलन के दौरान सभी ने हिन्दी की महत्ता, उपयोगिता और हिन्दी राष्ट्र भाषा की गरिमा पर एक से बढ़ कर एक प्रस्तुति दी। मुख्य अतिथि आ. मधु स्वामी की प्रस्तुति को खूब सराहा गया। संस्थापिका डॉ. शालिनी मिश्र ने अपने बेहतरीन अंदाज में वर्तमान परिवेश में युवा पीढ़ी द्वारा हिन्दी भाषा से भागने पर दमदार आगाज कर उन्हें आगाह किया।डॉ.अवधेश तिवारी ने हिन्दी पर अपनी सर्व श्रेष्ठ प्रस्तुति दी। जबकि लोकप्रिय साहित्यकार संचालन कर्ता विनय शर्मा दीप ने अपने 3मुखर अंदाज में हिन्दी को दुनिया का सर्व श्रेष्ठ भाषा की संज्ञा देते हुए अपनी प्रस्तुति दी।कार्यक्रम के अध्यक्ष आचार्य संजय सिंह चंदन ने सभी आगंतुक साहित्य मनीषियों की प्रस्तुति को एक से बढ़कर एक और उम्दा कवि सम्मेलन बताया। ंदन ने अपनी रचना प्रस्तुति में कहा.....

कवि नहीं मै काव्य मरघट का पुराना भूत हूँ,
हिंदुस्थान हूँ, हिन्दी साहित्य का अग्रदूत हूँ,
बिन्दु हूँ, सिंधु हूँ, हिंदू हूँ, हिन्दी का दूत हूँ,
हिन्दी दिवस पर हिन्दी व देवनागरी का शुभ शुभ मुहूर्त हूँ......
हिन्दी हूँ ....

इन पंक्तियों ने खूब तालियां बटोरी। अंत में संस्थापिका शालिनी मिश्र ने उपस्थित सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

आज मनाया जाएगा आयुर्वेद दिवस: आयुर्वेद को जन-जन तक पहुंचाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम

उदयपुरवाटी। भारत सरकार द्वारा इस वर्ष 23 सितंबर 2025 को 10वां आयुर्वेद दिवस मनाया जाएगा। यह पहली बार है जब यह आयोजन एक निर्धारित तिथि पर हो रहा है। इससे पहले आयुर्वेद दिवस हर साल धनतेरस के दिन मनाया जाता था, जो हर वर्ष अलग-अलग तिथि पर आता था। अब से यह दिवस प्रतिवर्ष 23 सितंबर को ही मनाया जाएगा, जिससे आयुर्वेद को वैश्विक स्तर पर पहचान और निरंतरता मिलेगी। यह दिन शरद ऋतु के आसपास आता है, जब दिन और रात बराबर होते हैं। यह आयुर्वेद के मूल सिद्धांत के अनुसार यह शरीर, मन और आत्मा के संतुलन का एक प्रतीक माना जाता है। इस वर्ष की थीम आयुर्वेद जन जन के लिए ,पृथ्वी के कल्याण के लिए थीम के साथ संपूर्ण भारत वर्ष में आयोजित किया जाएगा। इस बार देशभर में आयुर्वेद के औषधालय में चिकित्सालयो में आयुर्वेद दिवस का आयोजन करते हुए विभिन्न प्रकार के शिविर,पोषण जन जागरूकता,जरावस्था निवारण,स्वास्थ्य चर्चा और संगोष्ठियाँ आयोजित होंगी जिसमें आयुर्वेद सम्मत कार्यक्रम समावित होगें। ब्लॉक नोडल आयुर्वेद अधिकारी डॉ. राजेंद्र कुमावत ने बताया कि यह दिन आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति को पुनर्स्थापित करने और नई पीढ़ी को इससे जोड़ने का एक प्रेरक अवसर है। उन्होंने सभी चिकित्सकों व छात्रों से इसमें सक्रिय सहभागिता की अपील करते हुए कहा कि हमें आयुर्वेद उत्थान के कम करते हुए आयुर्वेद को जन जन की चिकित्सा पद्धति के रूप में स्थापित करने के प्रयास करने हैं और सरकार भी इसी उद्देश्य से आयुर्वेद दिवस को हर साल 23 सितंबर को ही मनाना निश्चित कर दिया गया है। सच कहे तो इस निर्णय से वैश्विक प्रचार प्रसार में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित होगा।

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने नया माय होंडा-इंडिया मोबाइल ऐप लॉन्च किया

मुंबई। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (HMSI), जो भारत के सबसे पसंदीदा टू-व्हीलर ब्रांड्स में से एक है, ने अपने नए कस्टमर कनेक्ट प्लेटफॉर्म माय होंडा-इंडिया मोबाइल ऐप के लॉन्च की घोषणा की। एक ऑल-इन-वन प्लेटफॉर्म के रूप में डिजाइन किया गया यह इनोवेटिव ऐप एचएमएसआई के मौजूदा और नए ग्राहकों के जुड़ने के तरीके को बिल्कुल नया रूप देता है। यह ऐप पूरे ओनरशिप जर्नी के दौरान ग्राहकों को स्मूद, ट्रांसपेरेंट और एंगेजिंग डिजिटल एक्सपीरियंस प्रदान करता है।

माय होंडा-इंडिया ऐप का लॉन्च एचएमएसआई की ग्राहक संतुष्टि के प्रति प्रतिबद्धता और हर चरण में सुविधा व इनोवेशन लाने के विजन को दशार्ता है। यह ऐप होंडा वन आईडी से इंटीग्रेटेड है एक यूनिफाइड डिजिटल आइडेंटिटी सिस्टम, जो ग्राहकों को सेल्स, सर्विस और ओनरशिप से जुड़ी सभी जरूरतों के लिए एक ही प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराता है। अब माय होंडा-इंडिया के जरिए ग्राहक होंडा के पूरे टू-व्हीलर पोर्टफोलियो को एक्सप्लोर कर सकते हैं, प्रोडक्ट से जुड़ी पूछताछ कर सकते हैं, मॉडल्स की तुलना कर सकते हैं, टेस्ट राइड बुक कर सकते हैं, फाइनेंस ऑप्शंस देख सकते हैं और लेटेस्ट अपडेट्स व नोटिफिकेशन्स पा सकते हैं।खरीदारी के चरण से आगे बढ़ते हुए, यह ऐप ग्राहकों को उनकी ओनरशिप जर्नी मैनेज करने की सुविधा भी देता है। इसमें डिजिटल ओनर मैनुअल, डॉक्यूमेंट स्टोरेज, सर्विस अपॉइंटमेंट बुकिंग, रियल टाइम सर्विस ट्रैकिंग और सर्विस हिस्ट्री एक्सेस जैसे फीचर्स शामिल हैं। इसके अलावा ग्राहक पार्ट्स और एक्सेसरीज इंक्वायरी, स्मार्ट वर्कशॉप सपोर्ट और सेल्स व सर्विस जरूरतों के लिए इंस्टैंट रिमाइंडर्स का लाभ भी उठा सकते हैं। अपनी बहुमुखी सुविधाओं को और आगे बढ़ाते हुए, माय होंडा-इंडिया ऐप लोकेशन-आधारित सर्विसेज भी प्रदान करता है, जैसे नजदीकी होंडा ऑथराइज्ड डीलरशिप्स और पेट्रोल पंप खोजने की सुविधा। साथ ही यह ग्राहकों को एचएमएसआई की सेफ़्टी, हेल्थ और एन्वायरनमेंट पहल, फेस्टिव ग्रीटिंग्स, ऑफर्स और रोचक अपडेट्स से भी जोड़ता है। यह ऑल-इन-वन प्लेटफॉर्म न केवल ग्राहकों की सुविधा बढ़ाता है, बल्कि पर्सनलाइज्ड कम्युनिकेशन, तेज रिस्पॉन्स टाइम और एक समान ब्रांड अनुभव देकर कस्टमर रिलेशनशिप को भी मजबूत करता है

किसना ने कोलकाता में अपने भव्य शोरूम का शुभारंभ किया

कोलकाता। किसना डायमंड एंड गोल्ड ज्वेलरी ने गर्व के साथ पश्चिम बंगाल में अपने 6वें एक्सक्लूसिव शोरूम का उद्घाटन किया। यह शोरूम कोलकाता के सोदेपुर क्षेत्र में स्थित है। इस शुभ अवसर पर हरी कृष्णा ग्रुप के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक घनश्याम ढोलकिया, हरि कृष्णा एक्सपोर्ट्स के सीईओ पिंटू ढोलकिया सहित अन्य गणमान्य ने शिरकत की। इस अवसर पर घनश्याम ढोलकिया, संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक, हरी कृष्णा ग्रुप ने कहाः ह्लकोलकाता एक ऐसा जीवंत बाजार है, जो परंपरा और आधुनिकता का सुंदर संगम है। सोदेपुर में शोरूम का शुभारंभ हमें विविध उपभोक्ताओं की आवश्यकताओं को पूरा करने का अवसर देता है। ह्यदुर्गा पूजाह्व के आगमन के साथ इस शोरूम का उद्घाटन हमारे लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह नए आरंभ और उत्सव का प्रतीक है।